भाद्रपद शुक्ल पक्ष-6, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 168 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
03 दिसंबर 2023 रविवार

आज का मौसम
22 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

विस चुनाव परिणाम

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम : सत्ता के सेमीफाइनल में भाजपा पास

मप्र में भाजपा लाड़ली लहर पर सवार, बड़ी जीत के आसार, छग में भी वापसी के करीब

राजस्थान में कायम रह सकता है रिवाज, तेलंगाना में पंजा रहा असरदार

खुशी की लहर

चार राज्यों के परिणाम

राज्य	भाजपा	कांग्रेस
मध्यप्रदेश	157	71
छत्तीसगढ	55	34
राजस्थान	113	70
तेलंगाना	41 (बीआरएस)	64

हाथों में हाथ आगे की बात!

भोपाल/रायपुर/जयपुर,दोपहर मेट्रो/एजेंसी

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे दोनों बड़े दलों भाजपा व कांग्रेस के लिये 'मिलेजुले' नजर आने लगे हैं। मप्र में कांग्रेस को अहसास हो गया है कि उसकी सत्ता वापसी अब आसान नहीं है। उसे सत्तारूढ भाजपा ने कड़ी टक्कर दी है। हालांकि कई सीटों पर भाजपा के भी दिग्गज पीछे चल रहे हैं लेकिन अब तक के संकेत बता रहे हैं कि उसकी सत्ता वापसी की राह बिल्कुल आसान है। वहीं कांग्रेस के वार रूम से बाहार आकर संसद विवेक तन्खा रुझानों पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरीके के परिणाम आ रहे हैं। उनसे हम संतुष्ट नहीं है, क्योंकि जिस तरह का माहौल दिख रहा था उसके अनुरुप परिणाम नहीं है। हम आगे आकलन करेंगे, हालांकि अभी फाइनल परिणाम का इंतजार है।

आज पहले नतीजे में ही कांग्रेस को गहरी निराशा हुई जब कुणाल चौधरी हार गए वहीं वहीं रतलाम में भाजपा के चैतन्य कश्यप ने 50000 से अधिक मतों से जीत दर्ज की है। बुरहानपुर से अर्चना चिटनीस जीती हैं वहीं केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते चुनाव हार गए है। भोपाल में कांग्रेस की बढ़त मध्य व उत्तर सीट पर आगे है व पांच पर पीछे है।

इस चुनाव के नतीजों से कांग्रेस को मप्र समेत राजस्थान व छत्तीसगढ में गहरा झटका लगा है। यह नतीजे भाजपा व कांग्रेस की आगामी राजनीति पर भी असर डालेंगे। मप्र में सीएम को लेकर भी सुगबुगाहटें शुरू हो गई हैं। शिवराज सिंह चौहान की नयी पारी के भी आसार हैं क्योंकि उनकी योजना व चुनाव में सघन प्रचार भी गौरतलब रहा है। हालांकि भाजपा ने पीएम मोदी को आगे रखकर चुनाव लड़ा था। शिवराज ने कहा है कि मप्र में एंटी इंकम्बेंसी नहीं रही बल्कि यह तो प्रो- इंकम्बेंसी है।

शिवराज बोले

यह प्रो- इंकम्बेंसी भारत माता की जय

चुनाव के शुरूआती रूझानों से भाजपा की बांछे खिल गई हैं। इसके सामने आते ही भाजपा खेमे में उत्साह का संचार हो गया। मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा -भारत माता की जय, जनता जनार्दन की जय। बाद में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि एमपी के मन में मोदी है यह बात साबित हो गई है। उनकी जनता से की गई अपीलें कारगर रहीं।वहीं अमित शाह की अचूक रणनीति भी काम आई। यह डबल इंजन की सरकार है। हमने केंद्र की सरकार की योजनाओं का सफल क्रियानव्यन किया। लाडली बहना से यहां अदभुत सफर तय किया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी शिवराज से मुलाकात की। सिंधिया ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि सेवा और सुशासन की जो हमारी सरकार है, जनता का पूर्ण आशीर्वाद भाजपा के साथ रहेगा...मुझे पूरा विश्वास है कि भाजपा की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ बनेगी। उधर भाजपा कार्यालय में स्थापित किये गये कंट्रोल रूम में सुबह अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने भी शुरूआती रूझानों के बाद हर्ष जताया और कंट्रोल रूम में मिठाईयां खाने खिलाने का दौर भी चला।

कंट्रोल रूम में बैठे रहे दिग्विजय और नाथ

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ भी सुबह पीसीसी में कंट्रोल रूप में पहुंचे। उन्होंने शुरूआती रूझानों पर कहा कि अभी ईवीएम खुलने दीजिये। इसके बाद विस्तार से बात करेंगे। थोड़ी देर बाद दिग्विजय सिंह भी कंट्रोल रूम भी पहुंच गये थे। हालांकि यहां जुटे अन्य कांग्रेस नेताओं में रूझानों के चलते हल्की सी मायूसी भी नजर आई।

झाबुआ में होगा लंबा इंतजार

प्रदेश के 230 विधानसभा क्षेत्र में मतगणना के लिए 4369 राउंड काउंटिंग कराई जा रही है। इसके लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश पर प्रदेश के 64626 मतदान केंद्रों में उपयोग की गई 3523 ईवीएम टेबल लगाने का काम जिलों में पूरा कर काउंटिंग की जा रही है। हालांकि झाबुआ के नतीजे के लिये लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। क्योंकि सबसे अधिक 26 राउंड की काउंटिंग झाबुआ जिले के झाबुआ विधानसभा सीट पर ही हो रही है। जबकि सबसे कम 12 राउंड की गणना दतिया जिले के सेवढ़ा विधानसभा क्षेत्र में होगी। इसके बाद शहडोल जिले के ब्यौहारी में 25, डिंडोरी जिले के शाहपुर में 24, पन्ना जिले के पवई, श्योपुर जिले के श्योपुर, विजयपुर विधानसभा सीटों पर 24-24 राउंड की काउंटिंग चलेगी।

लोस चुनाव से पहले भाजपा का ब्रांड हुआ मजबूत

लोकसभा चुनाव से चार महीने पहले भाजपा के लिये बेहद राहतभरी खबरें राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों से आई हैं। मध्यप्रदेश में सत्ताविरोधी लहर की आशंका को निर्मूल साबित करते हुए भाजपा ने अपनी वापसी की राह बनाई है खास बात यह ह कि अब तक नतीजों में वह फिर बड़ा बहुमत हासिल करती दिख रही है। वहीं, राजस्थान में भी भाजपा रिवाज के मुताबिक पांच साल बाद फिर सत्ता में वापसी करती नजर आ रही है। छत्तीसगढ़ में भी भाजपा का प्रदर्शन पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार बेहतर नजर आया है और वह सरकार बनाने की स्थिति में भी पहुंच सकती है। हालांकि यहां सत्तारूढ कांग्रेस अपना किला पूरी ताकत से लड़ा रही है और यहां परिणाम सुपरओवर तक जा सकता है। जबकि तेलंगाना में कांग्रेस शानदार जीत की और बढती साफ नजर आने लगी है।

भाजपा का ब्रांड चमका

हाल में कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश के चुनाव मे भाजपा की हार के बाद पीएम नरेंद्र मोदी का ब्रांड अब तीन राज्यों मे चमकता नजर आ रहा है। मप्र,छग व राजस्थान में बेहतर प्रदर्शन से इस ब्रांड को लोकसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ा अस्त्र बनाएगी। गौरतलब है कि तीनों ही राज्यों में भाजपा ने चुनाव के लिए टिकटें तो कई महीने पहले ही बांट दी थी, लेकिन मुख्यमंत्री का चेहरा किसी भी राज्य में घोषित नहीं किया था। जबकि, 2018 में भाजपा ने मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान, राजस्थान में वसुंधरा राजे और छत्तीसगढ़ में रमन सिंह को सीएम उम्मीदवार घोषित कर दिया था। नतीजा ये हुआ था कि तीनों ही राज्यों में भाजपा हारी थी। इस बार भाजपा ने ऐसा नहीं किया तथा पीएम मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा और उसका बड़ा असर भी अभी नजर आ रहा है।

उल्लेखनीय होगा कि हिंदी पट्टी के इन तीनों राज्यों में प्रधानमंत्री मोदी ने ताबड़तोड़ रैलियां और रोड शो किए थे। भाजपा के चुनावी नारे भी पीएम मोदी के इर्द-गिर्द ही रहे। मध्य प्रदेश में में 'एमपी के मन में मोदी है' और राजस्थान में 'मोदी साथे अपनो राजस्थान' का नारा दिया गया।

इन तीनों राज्यों में 2 से 27 नवंबर के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 42 रैलियां और चार बड़े रोड शो किए. सबसे ज्यादा जोर मध्य प्रदेश और राजस्थान में रहा। मध्य प्रदेश में पीएम मोदी ने 15 रैलियां कीं। इंदौर में रोड शो किया। राजस्थान में 15 रैलियां और जयपुर और बीकानेर में रोड किए. जबकि, छत्तीसगढ़ में पीएम मोदी की चार रैलियां हुईं। दरअसल ये तीन राज्य वो हैं, जहां की लगभग सभी लोकसभा सीटें भी भाजपा ही जीतती रही है। 2019 में बीजेपी ने इन राज्यों की 65 लोकसभा सीटों में से 62 सीटें जीत ली थीं।

आगे

पीछे

पहला नतीजा ही कांग्रेस के खिलाफ

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की उम्मीदों का किला रूझानों से ध्वस्त होना शुरू हो गया था। वहीं जब अंतिम परिणामों की बारी आई तो हताशा भी आने लगी। पहला नतीजा शाजापुर जिले की कालापीपल से आया और बेहद चौंकाने वाला रहा। यहां भाजपा प्रत्याशी घनश्याम चंद्रवंशी ने कांग्रेस के मजबूत माने जाने वाले उम्मीदवार व विधायक कुणाल चौधरी को 11941 वोट से हरा दिया। वहीं मुरैना जिले की दिमनी में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर कई बार 'संघर्ष' के भंवर में डूबते उतराते दिखे। इंदौर में जीतू पटवारी,सतना में गणेश सिंह,दतिया में नरोत्तम मिश्रा भी ऐसे उम्मीदवार हैं जो लगातार आगे पीछे हो रहे हैं। जबकि प्रद्युम्न सिंह, भूपेंद्र सिंह, गोपाल भार्गव आगे चल रहे हैं।

इंदौर में भी जोरदार बढत

मध्य प्रदेश के सबसे चर्चित जिले इंदौर की सभी नौ विधानसभा सीटों पर भाजपा ने बढ़त बना ली है। शुरुआत में तीन नंबर सीट पर कांग्रेस के पिंटू जोशी आगे चल रहे थे लेकिन कुछ देर के बाद वह भी पीछे हो गए और भाजपा के सभी नेता कांग्रेस के नेताओं के ऊपर भारी बढ़त बनाए हुए हैं। कैलाश विजयवर्गीय, रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मालिनी गौड़, महेंद्र हार्डिया, तुलसी सिलावट, मधु वर्मा, मनोज पटेल और उषा ठाकुर सभी भारी मतों से आगे चल रहे हैं।

हारे

राजस्थान व मप्र में भाजपा का प्रयोग काफी हद तक सफल

राजस्थान में भाजपा के उन सातों सांसदों की सीटों के रुझानों में लगा रहा है कि जिन सात सांसदों को उसने मैदान में उतारा वह प्रयोग सफल रहा क्योंकि बीजेपी के सात में से पांच उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। झोटवाड़ा, किशनगढ़, तिजारा, सवाई माधोपुर और विद्याधर नगर में पांच सांसद आगे चल रहे हैं. जबकि, मांडवा और सांचौर में कांग्रेस पार्टी आगे है। बसुधरा राजे 49 हजार वोटों से आगे चल रही है जबकि कांग्रेस के सीएम अशोक गहलोत की चुनावी रणनीति को बड़ा झटका लगा है हालांकि वे और सचिन पायलट अपनी सीटों पर आगे हैं।

मप्र में भी भाजपा ने सांसदों पर दांव लगाया है।इनमें राकेश सिंह ऊदयप्रताप, गणेश सिंह, नरेंद्र सिंह तोमर,रीती पाठक व प्रहलाद पटेल का नाम है। अब तक के रूझानों में तोमर,गणेश व उदयप्रातप संघर्ष में नजर आ रहे हैं।

राजस्थान विधानसभा चुनाव के नतीजों पर घमासान जारी है। कौन सी पार्टी अगले पांच साल के लिए सत्ता की बागडोर संभालने वाली है इसका

फैसला आज शाम तक हो जाएगा। राजस्थान विधानसभा के चुनावी रण वैसे तो कई पार्टियां मैदान में हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला प्रमुख पार्टी कांग्रेस और भाजपा में ही है। राजस्थान में अब सबकी नजरें चुनावों के परिणाम पर टिकी हुई हैं। बीजेपी में सीएम चेहरे को लेकर अभी कंफ्यूजन बना हुआ है। मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर वसुंधरा राजे, अर्जुन राम मेघवाल, गजेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र राठौड़ से लेकर दीयाकुमारी तक के नाम चल चुके हैं। अब दिल्ली से ओम बिरला के नाम की भी एंट्री इस रेस में जुड़ गई है।

केसीआर, भारत जीतने चले,तेलंगाना में बंटाटार

तेलंगाना में कांग्रेस स्पष्ट बहुमत हासिल करती दिख रही है। तेलंगाना का गठन 2013 में हुआ था।ये तीसरा चुनाव है। इस चुनाव में केसीआर बतौर सीएम हैट्रिक लगाने से चूकते नजर आ रहे हैं। दो बार के सीएम केसीआर के लिए ये बड़ा इसलिये हैं क्योंकि राष्ट्रीय राजनीति के प्रति उनका झुकाव गहरा रहा था। अक्टूबर में केसीआर ने अपनी पार्टी टीआरएस (तेलंगाना राष्ट्र समिति) को राष्ट्रीय पटल पर लाने के लिए उसका नाम बदल कर बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) कर दिया था। इतना ही नहीं जब तेलंगाना चुनाव में एक साल से कम समय रह गया था और कांग्रेस-बीजेपी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर राज्य में केसीआर के खिलाफ माहौल बनाने में जुटी थी, तब केसीआर तेलंगाना के बाहर महाराष्ट्र में 700-700 कारों के काफिले के साथ पार्टी का प्रसार करने में जुटे थे।

जानकार मानते हैं कि केसीआर खुद को राष्ट्रीय नेता के तौर स्थापित करना चाहते थे. इतना ही नहीं वे तेलंगाना में जीत से आश्वस्त थे, उनका इरादा तेलंगाना की राजनीति में अपने बेटे के टी रामा राव को स्थापित करने का था. रामा राव उनकी सरकार में मंत्री भी थे. लेकिन इस विधानसभा चुनाव में केसीआर का ये दांव उल्टा पड़ता दिख रहा है. जहां एक ओर वे अपने घर तेलंगाना में सत्ता गंवा बैठे, दूसरी ओर उनकी लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों को अपने साथ लाने की कोशिश भी सफल होती नहीं दिख रही है।

कुलपति की फटकार के बाद विद्यार्थियों की थीसिस का शुरू हुआ मूल्यांकन

तीन माह से करीब 70 विद्यार्थी परेशान, नोटिफिकेशन का इंतजार कर रहे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) में पीएचडी करने के लिए करीब 70 विद्यार्थियों द्वारा तीन माह पहले वैल्यूएशन के लिए जमा की गई थीसिस का मूल्यांकन शुरू हो गया है। मामले की सूचना कुलपति सुरेश कुमार जैन तक पहुंचने के बाद उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाकर मूल्यांकन कार्य शुरू कराया है।

बता दें कि मूल्यांकन शुरू नहीं होने से रिसर्च स्कालर परेशान थे और नोटिफिकेशन का इंतजार कर रहे हैं। अपडेट लेने के लिए शोधार्थी बार-बार बीयू पहुंच रहे हैं, जिन्हें सही जवाब नहीं मिल पा रहा है। बताया जा रहा है कि बीयू ने गोपनीय विभाग से थीसिस मूल्यांकन कार्य का जिम्मा एकेडमिक में ट्रांसफर कर दिया है। अधिकारियों ने थीसिस मूल्यांकन एक से दूसरे विभाग में भेज तो दिया है। लेकिन इसका लागिन पासवर्ड अभी तक तैयार नहीं हो सका। हालांकि कुलपति के आदेश के बाद ताबड़तोड़ तरीके से काम शुरू हुआ है।

दो प्रोफेसर से कराया जाता है वैल्यूएशन

थीसिस का वैल्यूएशन दो प्रोफेसर से कराया जाता है। इसमें एक प्रोफेसर राज्य का और दूसरा राज्य के बाहर का होता है। दोनों की रिपोर्ट सही आने के बाद शोधार्थी को पीएचडी अवार्ड करने की प्रक्रिया आगे बढाई जाती है। इसमें एक भी प्रोफेसर आपत्ति देता है, तो तीसरे प्रोफेसर को थीसिस भेजी है। वह अपनी रिपोर्ट सही देता है, तो प्रक्रिया आगे बढती है। इसमें भी कोई आपत्ति आती है, तो थीसिस शोधार्थी को देकर सुधार कराया जाता है। इसके बाद पीएचडी का नोटिफिकेशन जारी किया जाता है।

करुणाधाम में 4 से 10 तक शतचंडी महायज्ञ

भोपाल। नेहरू नगर स्थित करुणाधाम आश्रम में 4 दिसम्बर से शतचंडी महायत्र का भव्य आयोजन किया जा रहा है। शतचंडी महायज्ञ सात दिन 10 दिसम्बर तक चलेगा। पीठाधीश्वर गुरुदेव श्री सुदेश जी शाण्डिल्य महाराज के सानिध्य में भारत के कल्याण की कामना से शतचंडी महायज्ञ का आयोजन हो रहा है। इसकी तैयारियों के संबंध में एक बैठक हुई। बैठक में महायज्ञ के समय के कार्य और गतिविधियों की विभिन्न जिम्मेदारियाँ तय की गई।

आश्रम की ईशा शाण्डिल्य ने बताया कि शतचंडी महायज्ञ उज्जैन के प्रकाण्ड पण्डितों द्वारा किया जायेगा। महायज्ञ में सप्तशती के 100 पाठ और यज्ञ होगा। यज्ञ-शाला में सात दिन 33 कोटि देवता, तीर्थ, जल-देव, अग्नि-देव विराजित रहेंगे। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञशाला की प्रतिदिन परिक्रमाएँ लगायेंगे। प्रतिदिन सुबह 9 से 12 और शाम को 3 से 6 बजे महायज्ञ होगा।

आश्रम के पट खुलने का समय बदला: मंदिर खुलने का समय सुबह 6.30 से दोपहर 12 बजे तक और शाम 5 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक किया गया है।

असल में ठंड में रेल पटरियों में फ्रेक्चर होने का खतरा

अब ठंड शुरू होते ही बढ़ाई रेलवे ने ट्रैक की निगरानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ठंड का सीजन शुरू होते ही रेलवे ने ट्रैक की निगरानी बढ़ा दी है। ट्रैकमैनों को अतिरिक्त सावधानी रखने के लिए कहा है। यहां तक की आपात स्थिति में वे ट्रेन को पूर्व की तरह रूकवाने में भी सक्षम होंगे।

असल में ठंड के रेल पटरियों में फ्रेक्चर होने का खतरा रहता है। पूर्व के वर्षों में इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी है। जिसके कारण हादसे हुए हैं और कुछ मामलों में रेल कर्मियों की सूझबूझ के कारण संभावित हादसों को टाला भी गया है।

इस बार ठंड में ऐसे स्थिति की माइक्रो स्तर पर निगरानी हो सके, इसके लिए ट्रैकमैनों से अधिकारियों को शतत संपर्क में रहने, उनकी लोकेशन देखते रहने, उन्हें आने वाली अड़चनों को दूर करने, उनका उत्साह वर्धन करते रहने के निर्देश दिए है। साथ ही कहा है कि जिस सेक्शन में मेनपावर की कमी हो, उसे पूरा किया जाए। किसी तरह की कोई कोताही न बरती जाए।

उल्लेखनीय है कि पटरियों के फैक्चर होने की स्थिति में बड़े रेल हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता। ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए रेलवे प्रत्येक स्तर पर काम कर रहा है। यह खतरा ठंड में अधिक रहता है इसलिए इसी सीजन में अतिरिक्त सावधानी भी बरती जाती है।

आधुनिक तकनीकी से लैस है कर्मचारी

रेलवे ने ट्रैक पर ड्यूटी करने वाले रेल कर्मियों को आधुनिक तकनीकी से लैस कर रखा है। इनके हाथों में मोबाइल के आधार वाला एक यंत्र दिया है। जिसका उपयोग ये पटरी टूटने या उसमें फ्रैक्चर आने की स्थिति में आपरेटिंग कंट्रोल रूम से तत्काल संपर्क करने के लिए करते हैं।

5 दिसंबर से प्रदेश के 220, भोपाल में 51 केंद्रों पर आरजीपीवी की परीक्षाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

5 दिसंबर से शुरू होने वाली तीसरे और अंतिम वर्ष की परीक्षाओं को लेकर राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) प्रबंधन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। बीटेक, बीफार्मा एमटेक, एम फार्मा और एमसीए के तीसरे और अंतिम वर्ष के थ्योरी एग्जाम 31 दिसंबर तक आयोजित होंगे। इसके बाद 7 जनवरी तक प्रैक्टिकल होंगे। परीक्षा के लिए प्रदेश भर में 220 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जबकि भोपाल में 51 केंद्र तय किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, इस परीक्षा में करीब 1.28 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। आरजीपीवी के परीक्षा नियंत्रक प्रो. प्रशांत जैन ने बताया कि यूजी-पीजी परीक्षाओं के लिए सभी डायरेक्टर और कॉलेज प्रिंसिपल को 43 बिंदुओं की गाइडलाइन जारी कर दी है। इसके तहत परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं को परीक्षा शुरू होने के 50 मिनट पहले एग्जाम सेंटर पर रिपोर्टिंग करनी होगी।

परीक्षा शुरू होने के 50 मिनट पहले एग्जाम सेंटर पर रिपोर्टिंग करनी होगी

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस प्रतिबंधित, सीसीटीवी कैमरे से रखेंगे नजर

परीक्षा में नकल पर लगाम लगाने के लिए इस बार सख्त इंतजाम किए गए हैं। सभी प्रैक्टिकल और थ्योरी परीक्षाएं सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में आयोजित होंगी। परीक्षा केंद्र पर इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। पर्यवेक्षक भी मोबाइल नहीं ले सकेंगे। परीक्षा कराने के लिए 130 आब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं। नकल धरपकड़ के लिए दो फ्लाइंग स्कॉट टीमें बनाई गई हैं।

परीक्षाओं के दौरान आरजीपीवी से संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों को ही वीक्षक बनाया जाएगा। गैर शिक्षकीय अमले को वीक्षकीय काम में नहीं लगाया जाएगा। इसके लिए वीक्षकों की सूची उनके पदनाम के साथ पर्यवेक्षकों को रोज उपलब्ध करवाई जाएगी। वीक्षक को परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से एक घंटा पूर्व पहुंचना होगा।

09 को साल की अंतिम अदालत लगेगी

नेशनल लोक अदालत के प्रचार प्रसार के लिए रथ रवाना हुए

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश अमिताभ मिश्रा ने रवाना किया। 9 दिसंबर को लोक अदालत का आयोजन होगा, जो इस साल की अंतिम लोक अदालत है।

प्रचार वाहनों द्वारा नेशनल लोक अदालत की जिंगल्स एवं फ्लेक्स बैनर के माध्यम से नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार भोपाल के विभिन्न शहरी व सुदूरवर्ती ग्रामों में किया जाएगा। प्रचार रथ के रवाना होने के मौके पर विशेष न्यायाधीश कमल जोशी, जिला न्यायाधीश/सचिव एस.पी.एस. बुंदेला, जिला न्यायाधीश सुरेश कुमार सूर्यवंशी, जिला न्यायाधीश शैलजा गुप्ता, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय सिंह तथा पुलिस एवं प्रशासन के उच्च अधिकारियों सहित विद्युत विभाग के महाप्रबंधक जाहिद खान एवं समस्त उप महाप्रबंधक उपस्थित रहे।

अदालत में विद्युत विभाग एवं नगर पालिक निगम से जुड़े मामलों को सुना जाएगा। नियमानुसार छूट का लाभ भी दिया जाएगा। बता दे लोक अदालत के आयोजन के पीछे पक्षकारों के मध्य आपसी सद्भाव का बढ़ाना, कटुता को खत्म करने के साथ समय और श्रम की बचत करना है। लोक अदालत में प्रकरण का निराकरण होने से न्याय शुल्क वापस होता है। लोक अदालत का आदेश/निर्णय अंतिम होता है, लोक अदालत के आदेश के विरूद्ध अपील नहीं होती।

एमसीयू में लगाया निःशुल्क नेत्र एवं दंत चिकित्सा शिविर

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) के धन्वंतरी चिकित्सालय में शनिवार को निःशुल्क नेत्र एवं दंत चिकित्सा शिविर लगाया गया। यह चिकित्सा परामर्श एवं परीक्षण शिविर भोपाल के एएसजी नेत्र अस्पताल एवं तथास्तु दंत चिकित्सालय के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय के शिक्षक,अधिकारी, कर्मचारी विद्यार्थी एवं स्टाफ के परिजनों ने चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केजी सुरेश ने कहा कि स्वास्थ्य आज सभी के लिये महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील विषय है। उन्होंने सभी को सलाह दी कि वे अपने शरीर का ख्याल रखें एवं स्वस्थ रहें।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मनवानी को याद किया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पूज्य सिंधी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष समाजसेवी पमनदास मनवानी को उनकी 12 वीं पुण्यतिथि पर याद किया गया। झूलेलाल मंदिर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उनके पुत्र राज मनवानी, कमला मनवानी ईश्वरी देवी मनवानी, पार्षद एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अशोक मारण, उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबूमल रीझवानी, उपाध्यक्ष नंद दादलानी, महासचिव माधु चांदवानी, संस्कार स्कूल के सचिव बसंत चेलानी, सिंधु समाज संस्था के अध्यक्ष मोहनलाल चंदनानी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता तेजा सिंह सोढी, प्रेम पटानी, प्रवक्ता महेश गुरबानी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक मारण ने कहा की पमनदास मनवानीजी ने देश की आजादी में अपना अमूल्य योगदान दिया। साबूमल रिझवानी ने कहा कि पमनदासजी ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र सेवा और समाजसेवा में लगाया। मनवानीजी के पुत्र राज़ मनवानी ने कहा कि पिताजी राष्ट्र पिता महात्मा गांधीजी से प्रेरित थे उन्होंने गांधीजी के साथ देश सेवा के लिए अपने आपको समर्पित कर दिया था। शादी के 6 माह के बाद ही वे आजादी के खातिर जेल गए जहां पर उन्हें अंग्रेजी हुकूमत द्वारा यातनाएं सेहनी पड़ीं। इसअवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के महासचिव माधु चांदवानी, बसंत चेलानी अपने विचार रखे। संचालन महेश गुरबानी ने किया। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रखकर मनवानीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बरसात का पानी सड़कों पर गंदगी से लोग हुए परेशान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

एक तरफ जहां ठंड अपने रूबाब पर है वही बरसात ने लोगों को परेशानी कर रखा है। बरसात के कारण कई छोटी-छोटी गलियों में पानी रुक रहा है जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

संत नगर में पिछले दो दिनों से सुबह और शाम किसी भी समय बरसात शुरू हो रही है बरसात के कारण जहां ठंड बढ़ रही है। वहीं संत नगर की कई सडकों पर बरसात का पानी रख रहा है और इस पानी में मच्छर भिन्न बना रहे हैं। पानी के रुकने के कारण कई लोगों के घरों में गंदगी भी हो रही है संत नगर के मिनी मार्केट में रहने वाले जितेंद्र आहूजा का कहना है कि हमारी गली में बरसात का पानी पिछले दो से तीन दिनों से रुका हुआ है और इसकी शिकायत भी हमने नगर निगम में कई बार की है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है गली में नालियों का नामोनिशान नहीं है और जिसके कारण पानी सडक पर ही रख रहा है। बढ़ रहे हैं मच्छर

गलियों और सडकों पर रुकने वाले पानी के कारण इस गंदे पानी में मच्छर भी बैठे रहते हैं जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर हो रहा है कई घरों में तो इस पानी के रुके होने से लोग बीमार हो रहे हैं। इन क्षेत्रों में भी यही हालत

संत नगर के मिनी मार्केट के अलावा झूलेलाल मंदिर एफ वार्ड जी वार्ड, सीआरपी जैसी कॉलोनी में सडकों पर पानी रुका हुआ है और लोग कीचड़ में चलने को मजबूर है इसके साथ ही कई जगह पर कचरे के देर भी लगे हुए हैं।

प्लाटों से नहीं उठा कचरा

संत नगर के कई गली मोहल्ले में खाली प्लाट सालों से जर्जर अवस्था में है इन प्लाट पर लोग कचरा फेंक कर चले जाते हैं और इस कचरे को उठाने वाला कोई नहीं होता यह हालत बैरागढ़ के कमोपेश सभी जगह पर है, इन प्लाटों पर कचरे के साथ-साथ सूअर भी घूमते रहते हैं और गंदगी फैली रहती है लोगों ने इसकी शिकायत भी कई बार नगर निगम से की है लेकिन यहां पर भी कोई सुनवाई नहीं होती।

मेट्रो एंकर

फेस पेंटिंग में संत कॉलेज की अनुश्री प्रथम रहीं

एड्स दिवस:जागरुकता प्रतियोगिताएं हुईं

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

विश्व एड्स दिवस पर मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति ने प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना (प्रकोष्ठ), बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में जिला भोपाल के समस्त महाविद्यालयों /रेड रिबन क्लबों के लिए प्रतियोगिताओं के साथ जागरूकता कार्यकम का भी आयोजन किया गया। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की संगठन व्यवस्था में मुक्त इकाई (रासेयो) बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया। फेस पेटिंग प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्रा कु. अनुश्री नामदेव ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। महाविद्यालय में आयोजित पोस्टर एंव स्लोगन प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय स्तर पर पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ऊषा मालवीय, द्वितीय स्थान मुस्कान खान एंव तुतीय स्थान प्रतीक्षा शुक्ला ने प्राप्त किया एवं स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान स्नेहा प्रजापति, द्वितीय स्थान तथीर फातिमा एवं तुतीय स्थान याशिका लालवानी ने प्राप्त किया। इस आयोजन में महाविद्यालय की रासेयो की कार्यक्रम अधिकारियों ने स्वंय सेविकाओं के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम स्थल पर विजेताओं द्वारा बनाए गए पोस्टर एंव स्लोगन प्रदर्शित किये गए एंव रैली व मानव श्रृंखला निर्माण के द्वारा कर एड्स के प्रति जागरूकता लाकर इसे वर्ष 2030 तक भारत से मिटाने का संकल्प दोहराया गया।

महाविद्यालय में एक अन्य आयोजन के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा नेशनल कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान एवं ज्योति सिंह, स्पोर्ट्स आफिसर के कुशल मार्गदर्शन में वॉकिंग 10,000 स्टेप्स इन 90 मिनिट्स का आयोजन किया गया। यह आयोजन डिस्ट्रिक्ट ईको- एसडीजी चैलेंज 2023 में अपेक्स एसडीजी के अंतर्गत उच्च शिक्षा संस्थानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये किया गया था। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने विजेताओं को बधाई दी है।

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
03 दिसंबर 2023
रविवार

आज का मौसम
23 अधिकतम
15 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page- 7

राजधानी में मतगणना व जश्न के नजारें

चुनाव परिणाम के दौरान भोपाल में भाजपा कार्यालय पर सुबह से जश्न का नजारा रहा। इसमें विभिन्न नेताओं इकट्ठा हुए और एक-दूसरे को बधाई दी।

नरेला में कड़ी टक्कर, दक्षिण में पीसी परेशान, उत्तर व मध्य में कांग्रेस को सुकून

भोपाल की छह सीटों पर उतार-चढाव से उम्मीदवारों की फूलती रही सांसे

भोपाल दोपहर मेट्रो।

भोपाल जिले के 7 विधानसभा सीटों पर मतगणना में आ रहे उतार-चढाव से कांग्रेस व भाजपा उम्मीदवारों की सांसे फूलती रहीं। गोविंदपुरा सीट को छोड़कर बाकी छहों सीटों पर ऐसा दौर भी आया जब उम्मीदवार परेशान नजर आये। सुबह करीब साढे ग्यारह बजे नरेला सीट पर दूसरे राउंड की गिनती पूरी होने के बाद भाजपा प्रत्याशी व मंत्री विश्वास सारंग 1644 मत से कांग्रेस प्रत्याशी मनोज शुक्ला से पीछे चल रहे थे। भोपाल में भाजपा प्रत्याशी 4 और कांग्रेस उम्मीदवार 3 सीट पर आगे चल रहे हैं। भाजपा उम्मीदवार गोविंदपुरा से कृष्णा गौर, हुजूर से रामेश्वर शर्मा, दक्षिण पश्चिम से भगवान दास सबनानी और बैरसिया से विष्णु खत्री आगे चल रहे हैं। भोपाल उत्तर से कांग्रेस प्रत्याशी आतिफ अकील, भोपाल मध्य से आरिफ मसूद आगे चल रहे हैं।

मध्यप्रदेश में बीजेपी की जीत का जश्न भाजपा कार्यालय में शुरू हो गया है। प्रदेश कार्यालय में जिला बीजेपी कार्यालय पर कार्यकर्ता ढोल नगाड़ों, आतिशबाजी और मिठाईयों संग पहुंच चुके हैं। 11 बजे से ही जश्न को विजय उत्सव का नाम दिया गया है। बीजेपी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दर्शनसिंह चौधरी ने कहा प्रदेश में अभी भी बहनों, किसानों और कर्मचारियों को भाजपा पर ही भरोसा है। उन्होंने बताया कि इस जश्न में बीजेपी के सभी कार्यकर्ता शामिल होंगे।जश्न को लेकर प्रदेश बीजेपी दफ्तर पर विशेष तैयारी की गई है। हजारों की संख्या में नेता और कार्यकर्ता प्रदेश बीजेपी कार्यालय पर पहुंच चुके हैं। आतिशबाजी एवं मिष्ठान वितरण कर विजय उत्सव मनाया जाना शुरू हो गया है। विजय उत्सव में नगर एवं क्षेत्र के पार्टी के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित रहेंगे।

विजय जुलुस निकाला जाएगा

विजय उत्सव मानाने के बाद बीजेपी कार्यालय से एक विजय जुलूस भी निकाला जाएगा। इसमें पार्टी के विधायक, पदाधिकारी समेत हजारों बीजेपी कार्यकर्ता शामिल होंगे। प्रदेश भाजपा कार्यालय में विजय उत्सव शुरू हुआदूसरी ओर कांग्रेस का यह हाल है कि उसके बड़े नेता अब परिदृश ?य से गायब हो गए हैं और कुछ भी कहने से बच रहे हैं। कांग्रेस को दरअसल मप्र में इतनी बुरी पराजय की उम्मीद नहीं थी।

विधानसभा	मुकाबला	रुझान
1- भोपाल उत्तर	आतिफ अकील (कांग्रेस)/ आलोक शर्मा (भाजपा)	आतिफ अकील 5000 से आगे
2- भोपाल दक्षिण-पश्चिम	पीसी शर्मा (कांग्रेस)/ भगवानदास सबनानी (भाजपा)	भगवान दास सबनानी 7000 से आगे
3- नरेला	मनोज शुक्ला(कांग्रेस)/ विश्वास सारंग (भाजपा)	मनोज शुक्ला 1644 से आगे
4- बैरसिया	जयश्री हरिकरण (कांग्रेस)/ विष्णु खत्री (भाजपा)	विष्णु खत्री 1152 से आगे
5- भोपाल मध्य	आरिफ मसूद (कांग्रेस)/ ध्रुवनारायण सिंह (भाजपा)	आरिफ मसूद 5821 से आगे
6- गोविंदपुरा	रवींद्र साहू (कांग्रेस)/ कृष्णा गौर (भाजपा)	कृष्णा गौर 30142 से आगे
7- हुजूर	नरेश ज्ञानचंदानी (कांग्रेस)/ रामेश्वर शर्मा (भाजपा)	रामेश्वर शर्मा 22000 से आगे

मतगणना के दिन बिना अनुमति नहीं निकलेगा कोई विजयी जुलूस, धारा 144 लागू

भोपाल। रविवार 3 दिसंबर को मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 की मतगणना होनी है। इस संबंध में चुनाव आयोग के साथ साथ प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों के साथ साथ राजधानी भोपाल की सातों विधानसभा सीटों पर भी रविवा सुबह 8 बजे से मतगणना शुरु हो जाएगी।

इसी को लेकर शनिवार दोपहर से मतगणना के चलते भोपाल जिले में धारा 144 लागू कर दी गई है। इसी के साथ साथ रविवार को ड्राय-डे घिषित किया गया है। यानी जिले की सभी शराब दुकानें बंद रहेगी। ये आदेश भोपाल कलेक्टर और जिला दंडाधिकारी आशीष सिंह की ओर से जारी किया गया है।

मेट्रो एंकर

गैस कांड की बरसी पर आयोजन

सर्वधर्म सभा में पहुंचे मुख्यमंत्री शिवराज, दिवंगतों को श्रद्धांजलि

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गैस कांड की आज 39वीं बरसी है। इस मौके पर आज राजधानी के करोंद में स्थित भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में सर्वधर्म सभा का आयोजन किया। चुनावी गहमागहमियों के बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपना कीमती समय निकालकर इस सर्वधर्म सभा में पहुंचे और गैस कांड में मारे गए लोगों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस मौके पर सीएम शिवराज ने कहा कि आज भी 2-3 दिसंबर की वो रात याद आती है तो हम कांप उठते हैं। जहरीली गैस के कारण हमारे हज़ारों भाई-बहनों और बच्चों ने अपनी जान गंवाई। भोपाल का वो दृश्य भूला नहीं जा सकता। मैं उन सब भाई-बहनों के चरणों में श्रद्धा के सुमन अर्पित करना चाहता हूं। उस भीषण त्रासदी ने कई अनमोल जिंदगियों को हमसे छीना है।

गैस पीड़ितों की याद में निकला मशाल जुलूस : भोपाल गैस कांड की पूर्वसंध्या पर शनिवार को गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन द्वारा यादगार ए शाहजहांनी पार्क से बुधवारा चारबत्ती चौराहे तक आयोजित मशाल जुलूस निकाला गया। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह भी शामिल हुए। दिग्विजय ने भोपाल गैस त्रासदी में मारे गए लोगों को श्रद्धासुमन अर्पित और कहा दुख है कि राज्य सरकार ने गैस पीड़ितों की हरसंभव मदद नहीं की। कई ऐसे परिवार हैं, जो परेशान हैं। इनकी मदद हम सब को करनी है, जो परेशान हैं, रोजगार नहीं है। उनकी सूची बनाकर, मदद की जाए।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल गैस त्रासदी की 39 वी बरसी पर बीएमएचआरसी में हुई सर्वधर्म सभा में शामिल हुए तथा त्रासदी में दिवंगतों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

शहादत की कीमत और मुआवजों की प्रदर्शनी

■ विश्वनाथ सचदेव

मुश्किल से आधे मिनट का भी नहीं है वह वीडियो पर फेसबुक पर उसे देखकर मैं सहम-सा गया था। वीडियो आगरा का है। सत्ताईस वर्षीय कैप्टन शुभम? गुप्ता का गृह स्थान है आगरा। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में इस युवा जांबाज ने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर अपनी माटी का कर्ज चुकाया था। उनका शव अभी पहुंचा नहीं था। पर उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री पहुंच गये थे। उनके साथ स्थानीय विधायक भी थे। घर में कोहराम मचा हुआ था। कैप्टन शुभम? की बिलखती मां संभाले नहीं संभल रही थीं। और मंत्री जी उन्हें शासन की ओर से पचास लाख रुपये का चेक देने पर आमादा थे। वे चेक ही नहीं देना चाह रहे थे, दुखिया मां को चेक देते हुए एक फोटो भी खिंचवाना चाहते थे। मंत्री जी वह चेक मां के हाथ में देना चाहते थे और मां के हाथ मातम मना रहे थे। वे चेक दे पाये या नहीं, पता नहीं, पर मां को जबरन चेक देने की कोशिश का वह वीडियो अवश्य वायरल हो गया। बिलखती मां यह कहती ही रह गयी, 'मेरी प्रदर्शनी मत लगाओ, मुझे मेरा बेटा लौटा दो।'

इससे पूर्व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री यह घोषणा कर चुके थे कि शहीद कैप्टन को इस राशि के अलावा उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी दी जायेगी। शहीदों के बलिदान की कोई कीमत नहीं लगायी जा सकती, फिर भी जितनी कीमत लगे उतनी कम होती है। सवाल इस सहायता का नहीं है, सवाल उस असंवेदनशील प्रदर्शन का है जो इस सहायता के साथ जुड़ गया है। शव पहुंचने से पहले चेक पहुंचना क्यों ज़रूरी था? चेक को मां के हाथों में सौंपना भी मंत्री महोदय को क्यों ज़रूरी लगा? और क्यों ज़रूरी था उसका वीडियो बनाया जाना? मंत्री महोदय वीडियो क्यों बनवाना चाहते थे, पता नहीं, पर आज यह वीडियो कुल मिलाकर एक असहजता का प्रतीक बनकर रह गया है!

पता नहीं क्या तर्क है इसके पीछे, पर जब भी कोई ऐसी घटना घटती है जिसमें जान-माल की हानि होती है, सरकार मुआवजे की घोषणा तत्काल कर देती है। मुआवजा देना ग़लत नहीं है, पर मुआवजे की प्रदर्शनी लगाना किसी भी दृष्टि से सही नहीं कहा जा सकता।

आखिर ऐसी घोषणाओं का मतलब क्या है? आगरा की यह घटना इसका जो मतलब समझाती है, वह यही है कि ऐसी घोषणाएं करके और ऐसी प्रदर्शनी लगाकर सरकारें संवेदनशीलता का नहीं, संवेदनहीनता का परिचय देती हैं। कैप्टन शुभम? गुप्ता के बलिदान पर हर भारतीय को नाज है, लेकिन उनके बलिदान का बदला चुकाने की यह प्रदर्शनी हर भारतीय को व्यथित करती है।

इस मुआवजे या सहायता के पीछे भावना सही भी हो सकती है, पर जो संवेदनहीनता इसमें दिखाई देती है वह अनुचित ही कहलायेगी। पूछा जाना चाहिए कि वह चेक बलिदानी सैनिक की मां को तभी देना क्यों जरूरी समझा गया? और मंत्रीजी को यह क्यों लगा कि इस अवसर का चित्र भी होना चाहिए? इन प्रश्नों का उत्तर यह हो सकता है कि शासन यह संदेश देना चाहता है कि वह बलिदानियों का सम्मान करता है। पर जो संवेदनहीनता इसमें झलक रही है, वह स्पष्ट बताती है कि कहीं न कहीं शासन इसे एक रस्म अदायगी के रूप में ही देखता है।

बरसों पुरानी एक घटना याद आ रही है। शायद ओडिशा विधानसभा की है यह घटना। एक आदिवासी युवती के साथ दुराचार के मामले पर चर्चा चल रही थी। मंत्री जी ने अपना वक्तव्य देते हुए पीड़िता को एक राशि दिए जाने की घोषणा की। जब मामले की गंभीरता को रेखांकित करते हुए विपक्ष के एक सदस्य ने कहा कि पीड़िता के साथ एक बार नहीं, दो बार दुष्कर्म हुआ है तो मंत्री महोदय ने सहज ही कह दिया, 'तो फिर हम मुआवजा दुगना कर देंगे।' स्पष्ट है मंत्री जी की दृष्टि में, और शासन की दृष्टि में भी, आदिवासी युवती के साथ दुष्कर्म की कीमत कुछ रुपये ही थी। उन्हें नहीं लगा कि मामला एक युवती के साथ दुराचार का नहीं, समूची नारी-शक्ति के अपमान का है और इस अपमान को रुपयों से नहीं नापा जा सकता। इस मामले में सवाल एक बीमार मानसिकता का भी था, जिसमें नारी की अस्मिता दांव पर लगी थी। मुझे दुराचार के मुआवजे की घोषणा करने वाले मंत्री महोदय और आगरा के घटनाक्रम में फोटो खिंचवाने की मनोवृत्ति वाले मंत्री की मानसिकता में कोई अंतर नहीं दिखाई दे रहा।

कैप्टन शुभम? की मां की पीड़ा की कल्पना करना आसान नहीं है। वह बार-बार कहती रही हैं, मेरी प्रदर्शनी मत लगाओ, और मंत्री महोदय चाह रहे हैं चेक देते हुए फोटो खींचा जाये। आखिर क्यों? कहां प्रचार कराना चाहते थे मंत्री महोदय? इस तरह की घटनाएं यह सोचने पर बाध्य करती हैं कि कहीं हमारी संवेदनशीलता कुंद तो नहीं होती जा रही? संवेदनशीलता का सीधा-सा रिश्ता मानवीय संवेदनाओं से है। सीमा पर, या आतंकवादियों से मुठभेड़ में शहीद होने वाले हमारे जवान किसी मुआवजे के लिए सर्वोच्च बलिदान नहीं देते। कैप्टन शुभम? के पिता वकील हैं। शुभम ने भी वकालत की पढ़ाई की थी। पर उनकी आकांक्षा एक सैनिक बनने की थी। परिवार को बिना बताये हुए वे सेना में भर्ती हुए थे। वे अपने दोस्तों से कहा करते थे, एक दिन देश के लिए जान दे दूंगा। अपने पिता से आखिरी बार बात करते हुए उन्होंने कहा था, 'पापा, दो आतंकी रह गये हैं, इन्हें मार कर आऊंगा'। उन्होंने अपना वादा तो पूरा किया, पर लौटकर वे नहीं, उनका शरीर आया। ऐसे बहादुर बेटे की जान की कोई कीमत नहीं लगायी जा सकती। ऐसे बेटे की मां की भावनाओं के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। हर शहीद की मां, हर शहीद का परिवार बेहतर व्यवहार का अधिकारी है। शासन को, और शासकों को, इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि अपनी राजनीति के लिए वे बलिदानियों के परिवार की भावनाओं के साथ नहीं खेलें।

वैसे हमारा समय प्रचार-बहुल वाला है। हर आदमी हर चीज़ का प्रचार करना चाहता है। जहां तक राजनेताओं का सवाल है ऐसा लग रहा है जैसे उनकी सारी राजनीति प्रचार पर ही टिकी हुई है। फोटो का कोई भी अवसर हमारे नेता छोड़ते नहीं हैं। जो जितना बड़ा नेता है उतनी ही बड़ी उसकी आकांक्षा हो जाती है प्रचार पाने की। नेता मां-बाप से मिलने जाता है तो कैमरामैन उसके साथ होता है, मंदिर जाता है तो उससे पहले फोटोग्राफर वहां पहुंचा होता है। मीडिया वालों की विवशता तो एक सीमा तक समझ आती है, पर हमारे नेता यह क्यों भूल जाते हैं कि उन्हें समाज के सामने एक उदाहरण पेश करना होता है? उनसे अपेक्षा होती है कि वह संवेदनशीलता और संयम का परिचय देंगे। ऐसे में जब आगरा में उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री की प्रचार पाने की भूख का उदाहरण सामने आता है तो यह सवाल तो उठता ही है कि हमारी राजनीति इतनी संवेदनहीन क्यों होती जा रही है? बेटा खो चुकी मां के हाथों में पचास लाख रुपये का चेक थमाने वाली मानसिकता पर सवालिया निशान तो लगेगा ही। पर उत्तर कौन देगा?

- साभार: लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। यह उनके अपने विचार हैं।

बांग्लादेश युद्ध: जब हमने नक्शा बदल दिया... अगर वक्त मिलता तो इतिहास भी बदल जाता

■ आर विक्रम सिंह

तीन दिसंबर, 1971 की भोर को पाकिस्तान ने भारत के पश्चिमी वायु ठिकानों पर जबर्दस्त हवाई हमला बोल दिया था। उसी के साथ भारत-पाक का युद्ध प्रारंभ हो गया, जिसकी परिणति 16 दिसंबर को ढाका में पाकिस्तान की पूर्वी सेना के कमांडर जनरल नियाजी और उनके साथ 93 हजार सैनिकों के ऐतिहासिक आत्मसमर्पण में हुई। भारत के लिए आजादी के बाद के इतिहास का वह महानतम क्षण था, जब हमने दक्षिण एशिया का मानचित्र बदला था।

जब पाकिस्तान का आक्रमण हुआ, तब तक हमारी सेना मुक्ति वाहिनी के साथ मिलकर अपनी कार्रवाई प्रारंभ कर चुकी थी। वह मुक्ति वाहिनी हमारी सेना के जनरलों की रणनीति की उपज थी। भारतीय सेना परंपरागत रणनीति के विपरीत मुख्य रास्तों को छोड़कर पाकिस्तानी मोर्चों को बाइपास करती हुई तीन दिशाओं से आगे बढ़ती गई। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की अपेक्षा थी कि पाक सेना द्वारा 25 मार्च को बंगालियों पर किए गए हिंसक क्रैकडाउन के बाद हमारी सेना तत्काल कार्रवाई प्रारंभ कर दे। लेकिन जनरल (बाद में फील्ड मार्शल) मानेक शॉ ने कैबिनेट को साफ शब्दों में मना कर दिया कि अभी हम न तो रणनीतिक दृष्टि से और न सैन्य साजो-सामान की दृष्टि से तैयार हैं। धनाभाव के कारण हमारे टैंकों की सर्विसिंग तक नहीं हो सकी थी। स्टोरेज की सुविधाएं भी नहीं थीं। जनरल का कहना था कि सेना का मूवमेंट होते-होते बरसात आ जाएगी, अभी चीन के दखल का खतरा है, इसलिए हमें हिमालय के दर्रों पर बर्फ पड़ने तक इंतजार करना पड़ेगा। जनरल के तर्कों को मानना पड़ा। बहरहाल, सेना ने अपनी तैयारियां प्रारंभ कीं। इंदिरा जी की ओर से सवाल आया कि इस बीच हम क्या कुछ कर सकते हैं। तब जनरल के मस्तिष्क में भारतीय सेना द्वारा प्रशिक्षित बंगालियों की गुरिल्ला फोर्स का विचार आया। इस तरह मुक्ति वाहिनी का जन्म हुआ। उस समय हमारे पास आज के आधुनिक अस्त्र-शस्त्र नहीं थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के जमाने का तोपखाना व 25 पाउंडर तोपें और छोटी माउंटेन तोपें ही थीं। फिर भी सेना का आदर्श ऊंचा था।

विश्व में सब ओर पाक सेना द्वारा किए जा रहे भीषण नरसंहार के समाचार जा रहे थे। लेकिन नैतिकता व मानवीयता के आधार पर वैश्विक समर्थन हमारे साथ नहीं था। जब युद्ध शुरू हुआ, तो सिर्फ तत्कालीन सोवियत संघ का समर्थन मिला था। उससे हमने मित्रता की संधि की। अमेरिकी रुख अत्यंत निराशाजनक था। भारत पर दबाव बनाने के लिए उसने अपना सातवां बेड़ा बंगाल की खाड़ी में भेज दिया था। लेकिन सेना अपने अभियान में लगी हुई थी। टांगाइल में कमांडो सैनिकों के पैराड्रॉप ने बड़ा समाचार बनाया। पाकिस्तानी सैनिकों का साहस जवाब देने लगा था। ढाका प्रवेश पर भारतीय सेना का जो स्वागत हुआ था, लोग बताते हैं कि आजादी के उस भाव को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। दुनिया के इतिहास में विजेताओं का ऐसा स्वागत कम ही हुआ होगा। नए देश में पाकिस्तानियों के लिए जबर्दस्त घृणा थी, क्योंकि उन्होंने 30 लाख बंगालियों की नृशंस हत्या की, ढाका विश्वविद्यालय में

बुद्धिजीवियों को चुन-चुनकर मारा, महिलाओं से दरिंदगी की। अब वे सब हथियार डालकर कैंपों में कैदी थे।

यदि 16 दिसंबर, 1971 की उपलब्धियों को उनके असल अंजाम तक ले जाया गया होता, तो पाकिस्तानी हुक्मरानों का यह साहस न होता कि वह कभी कह सकते कि हमारे पास एटम बम है। निक्सन-किसिंजर चिंतित थे कि कहीं बांग्लादेश के बाद भारत पश्चिम में पलट कर पाकिस्तान को निशाना न बना ले। अमेरिकी प्रशासन ने इंदिरा गांधी पर इतना दबाव बनाया कि उस लौह महिला को पश्चिमी कमान को रक्षात्मक युद्धनीति का आदेश देना पड़ा। जनरल मानेक शॉ ने उसका घोर विरोध किया था। सोचता हूं कि यदि नियाजी का आत्मसमर्पण 16 दिसंबर के बजाय 25 दिसंबर को हुआ होता, तो संभवतः हम कश्मीर के एक बड़े हिस्से को आजाद करा चुके होते। तब चीन-पाकिस्तान का जमीनी संपर्क न रह जाता और संपूर्ण रणनीतिक परिदृश्य बदल चुका होता... !

वह युद्ध एक महान विजय के साथ अधूरा-सा इतिहास लिखकर ही समाप्त हो गया, अपनी पूर्णता तक नहीं पहुंचा।

- साभार: लेखक पूर्व सैनिक, पूर्व आईएएस। यह उनके अपने विचार हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस, 3 दिसंबर, 2023 पर विशेष

दिव्यांगों को नया आयाम एवं जीवन-मुस्कान दें

■ ललित गर्ग

हर वर्ष 3 दिसंबर का दिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकलांग व्यक्तियों को समर्पित है। विकलांग भी किसी से कम नहीं, उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए थोड़े से सहयोग एवं समतामूलक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। इसका मुख्य उद्देश्य विश्वभर में विकलांगता और विकलांग लोगों के साथ सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक भागीदारी को बढ़ावा देना है और उनके अधिकारों, समर्थन, और समाज में उनके साथ सौहार्द्र बनाए रखना है। वर्ष 2023 की विकलांग दिवस की थीम है एक समावेशी समाज का निर्माण और समान अवसरों का सृजन है। वर्ष 1976 में संयुक्त राष्ट्र आम सभा के द्वारा ÷विकलांगजनों के अंतरराष्ट्रीय वर्ष÷ के रूप में मनाया गया और वर्ष 1981 से अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस मनाने की विधिवत शुरुआत हुई। विकलांगों के प्रति सामाजिक सोच को बदलने और उनके जीवन के तौर-तरीकों को और बेहतर बनाने के लिये एवं उनके कल्याण की योजनाओं को लागू करने के लिये इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है।

पूरी दुनिया में एक अरब लोग विकलांगता के शिकार हैं। जिनमें से 80 प्रतिशत विकासशील देशों में हैं। अधिकांश देशों में हर दस व्यक्तियों में से एक व्यक्ति शारीरिक या मानसिक रूप से विकलांग हैं। इनमें कुछ संवेदनाविहीन व्यक्ति भी हैं। विकलांगता एक ऐसा शब्द है, जो किसी को भी शारीरिक, मानसिक और उसके बौद्धिक विकास में अवरोध पैदा करता है। ऐसे व्यक्तियों को समाज में अलग ही नजर से देखा जाता है। यह शर्म की बात है कि हम जब भी समाज के विषय में विचार करते हैं, तो सामान्य नागरिकों के बारे में ही सोचते हैं। उनकी ही जिंदगी को हमारी जिंदगी का हिस्सा मानते हैं। इसमें हम विकलांगों को छोड़ देते हैं। आखिर ऐसा क्यों होता है? ऐसा किस संविधान में लिखा है कि ये दुनिया केवल पूर्ण मनुष्यों के लिए ही बनी है? बाकी वे लोग जो एक साधारण इंसान की तरह व्यवहार नहीं कर सकते, उन्हें अलग क्यों रखा जाता है। क्या इन लोगों के लिए यह दुनिया नहीं है? इन विकलांगों में सबसे बड़ी बात यही होती है कि ये स्वयं को कभी लाचार नहीं मानते। वे यही चाहते हैं कि उन्हें अक्षम न माना जाए। उनसे सामान्य तरह से व्यवहार किया जाए। पर क्या यह संभव है? पिछले कुछ वर्षों में, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों से, विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा करने और दुनिया भर में एक बाधा-मुक्त, समतामूलक समाज की स्थापना करने में कुछ प्रगति हासिल हुई है। लेकिन विकलांग लोगों को हाशिये पर धकेलने वाली पर्यावरणीय, सामाजिक, पारिवारिक और कानूनी बाधाएं फिर भी मौजूद हैं, इसलिए रोज़गार, शिक्षा और चिकित्सा देखभाल में विकलांग लोगों के अधिकार अभी भी अलग-अलग स्तर के प्रतिबंधों के अधीन हैं। लेकिन विकलांग दिवस की बदौलत न केवल सरकारें बल्कि आम जनता में भी विकलांगों के प्रति जागरूकता एवं सौहार्द का माहौल बना है। समाज में उनके आत्मसम्मान, प्रतिभा विकास, शिक्षा, सेहत और अधिकारों को सुधारने के लिये और उनकी सहायता के लिये एक साथ होने की जरूरत है। विकलांगता के मुद्दे पर पूरे विश्व की समझ को नया आयाम देने एवं इनके प्रति संकीर्ण दृष्टिकोण को दूर करने के लिये इस दिन का महत्वपूर्ण योगदान है। यह दिवस विकलांग लोगों के अलग-अलग मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करता है और जीवन के हर क्षेत्र में चाहे वह राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कोई भी हो, सभी विकलांग लोगों को शामिल करने और उन्हें अपने प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकलांगों को विकलांग नहीं कहकर दिव्यांग कहने का प्रचलन शुरू कर न केवल उनके आत्म-विश्वास को जगाया है बल्कि एक नयी सोच को जन्म दिया है। हमें इस बिरादरी को जीवन की मुस्कुराहट देनी है, न कि हेय समझना है। विकलांगता एक ऐसी परिस्थिति है जिससे हम चाह कर भी पीछा नहीं छुड़ा सकते। एक आम आदमी छोटी-छोटी बातों पर झुंझला उठता है तो जरा सोचिये उन बदकिस्मत लोगों का जिनका खुद का शरीर उनका साथ छोड़ देता है, फिर भी जीना कैसे है, कोई इनसे सीखे। कई लोग ऐसे हैं जिन्होंने विकलांगता को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी ताकत बनाया है। ऐसे लोगों ने विकलांगता को अभिशाप नहीं, वरदान साबित किया है।

मनुष्य के मजबूत इरादे दृष्टि दोष, मूक तथा बधिरता को भी परास्त कर देते हैं। अनगिनत लोगों की प्रेरणास्रोत, नारी जाति का गौरव मिस हेलेन केलर शरीर से अपंग थी, पर मन से समर्थ महिला थीं। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति ने दृष्टिबाधिता, मूक तथा बधिरता को पराजित कर नई प्रेरणा शक्ति को जन्म दिया। सुलिवान उनकी शिक्षिका ही नही, वरन् जीवन संगिनी जैसे थीं। उनकी सहायता से ही हेलेन केलर ने टालस्टाय, कार्लमार्क्स, नीत्शे, रविन्द्रनाथ टैगोर, महात्मा गाँधी और अरस्तू जैसे विचारकों के साहित्य को पढ़ा। हेलेन केलर ने ब्रेल लिपि में कई पुस्तकों का अनुवाद किया और मौलिक ग्रंथ भी लिखे। उनके द्वारा लिखित आत्मकथा 'मेरी जीवन कहानी' संसार की 50 भाषाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं। अल्प आयु में ही पिता की मृत्यु हो जाने पर प्रसिद्ध विचारक मार्कट्वेन ने कहा कि, केलर मेरी इच्छा है कि तुम्हारी पढ़ाई के लिए अपने मित्रों से कुछ धन एकत्रित करूँ। केलर के स्वाभिमान को धक्का लगा। सहज होते हुए मृदुल स्वर में उन्होंने मार्कट्वेन से कहा कि यदि आप चन्दा करना चाहते हैं तो मुझ जैसे विकलांग बच्चों के लिए कीजिए, मेरे लिए नहीं। सचमुच विकलांग एवं अंध होकर भी हेलेन केलर 19वीं शताब्दी की सबसे दिलचस्प महिला हैं। वे पूरे विश्व में 6 बार घूमीं और विकलांग व्यक्तियों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण वातावरण का निर्माण किया। उन्होने करोडों रूपये की धन राशि एकत्र करके विकलांगों के लिए अनेक संस्थानों का निर्माण करवाया। दान की राशि का एक रुपया भी वे अपने लिए खर्च नहीं करती थीं। हेलेन केलर की तरह ही ऐसे अनेक विकलांग व्यक्ति हुए हैं जिन्होंने विकलांगता को अपने जीवन निर्माण एवं विकास की बाधा नहीं बनने दिया। स्टीफन होकिंग का नाम भी दुनिया में एक जाना-पहचाना नाम है। चाहे वह कोई स्कूल का छात्र हो, या फिर वैज्ञानिक, सभी इन्हें जानते हैं। उन्हें जानने का केवल एक ही कारण है कि वे विकलांग होते हुए भी आइंस्टाइन की तरह अपने व्यक्तित्व और वैज्ञानिक शोध के कारण हमेशा चर्चा में रहे।

गिरजा, सीता, भगवती तीनों दैवीय शक्तियों के बीच कौन बनेगा शक्तिशाली

नर्मदापुरम। विधानसभा क्षेत्र में इस बार दैवीय शक्ति के नामधारी तीन महत्वपूर्ण प्रत्याशियों में जीत हार होने की संभावना को लेकर मतदाताओं के बीच चर्चाएं जारी हैं।

कांग्रेस से पंडित गिरजा शंकर शर्मा है।भारतीय जनता पार्टी से विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा है. निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में भगवती चौरे हैं। इन तीनों महत्वपूर्ण प्रत्याशियों के नाम में देवी शक्तियों के नाम समाहित है। कौन सी देवी शक्ति अपने नाम को चरितार्थ करके आगे बढ़ेगी. इसका खुलासा आज शाम तक हो जाएगा।हालांकि मतगणना में डॉ शर्मा ने बढ़त भी बनाई।

कांग्रेस प्रत्याशी के साथ शिव अर्धांगिनी गिरजा नाम शक्तिशाली के रूप में दिखाई दे रहा है। भाजपा प्रत्याशी डॉ. सीताशरण शर्मा के साथ मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की पतिव्रता सीता का नाम जुड़ा है. जबकि निर्दलीय प्रत्याशी भगवती चौरे को आदि शक्ति जगदंबा भगवती का नाम शक्ति का संचार कर रहा है।

इन तीनों शक्ति प्रदाता उम्मीदवारों में जिस शक्ति का प्रताप बढ़ चढ़कर प्रत्याशी को शक्ति प्रदान करेगा। उसकी जीत सुनिश्चित होगी।

मंडी के बाहर एक किलोमीटर तक सड़क किनारे उपज की ट्रालिया खड़ी रही

मंडी में 15 हजार क्विंटल से अधिक उपज की आवक, किसानों को मिले अच्छे भाव

भैरूंदा , दोपहर मेट्रो

इस समय अनाज मंडी में मक्का की बंपर आवक हो रही है। मंडी परिसर छोटा पड़ रहा है। बुधवार को मंडी में 15 हजार क्विंटल उपज की आवक दर्ज की गई। जिसमें 10 हजार क्विंटल से अधिक मक्का की आवक रही, अनाज की आवक अधिक होने से मंडी के बाहर एक किलोमीटर तक सड़क किनारे उपज की ट्रालिया खड़ी रही। जिसके कारण वाहन निकलने में परेशानियां हुई। मंडी में मक्का की आवक का जो दौर नजर आ रहा है, वह जबरदस्त है। मंडी परिसर में हर तरफ मक्का ही मक्का नजर आ रही है। वाहनों को निकालने तक के लिए थो?ी-सी ही जगह रखी गई, मंडी में मक्का की बंपर आवक अब भी जारी है। मंडी में करीब 15 हजार क्विंटल से अधिक अनाज की आवक हुई। इससे मंडी तरफ जाने वाले सड़क मार्ग में जाम के हालात बन गए। ट्रैक्टर-ट्रालियों की लाइन सड़क पर लगी रही।

ये है उपज के दाम

मंडी में मक्का लेकर आए किसान छतर सिंह, रमेश पंवार ने बताया कि उनकी मक्का बुधवार को 2060 प्रति क्विंटल बिकी जबकि पिछली बार 1500 रुपये के भाव में बिका था। इस बार 550 रुपए ज्यादा दाम मिले। मंडी के कर्मचारियों ने बताया कि बेहतर भाव मिलने की वजह से किसानों का रुख अब मंडी में ही बना हुआ है। बुधवार को मक्का का न्यूनतम भाव 1650 रुपए प्रति क्विंटल रहे।मंडी में 2627 क्विंटल सोयाबीन की आवक रही इसके भाव 3800 से 4875 रहे,1150 क्विंटल गेहूं की आवक रही इसके भाव 2500 से 3000 क्विंटल रहे। मंगलवार शाम को ही मंडी प्रांगण ऊपज लेकर आई ट्रालियों से फुल भरा गया था। इसके बाद आने वाली ट्रालियों को मंडी प्रांगण के बाहर सड़क किनारे खड़ा किया गया, सड़क पर एक किलोमीटर लंबी कतार लग गई।

आवागमन हुआ प्रभावित

सड़क पर ट्रालियों खड़ी होने से सड़क किनारे के दुकानदारों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं मुख्य मार्ग पर ट्रालियां होने से आवागमन भी बाधित हुआ। मंडी प्रांगण छोटा होने के कारण सीजन के समय ऊपज लेकर आई ट्रैक्टर ट्रालियों से फुल भरा जाता है। इसके बाद आने वाली ट्रैक्टर ट्रालियों को सड़क किनारे खड़ा कराया जाता है। जिससे आवागमन प्रभावित होता है।

हल्की वर्षा के बावजूद उपज लेकर मंडी पहुंच रहे किसान

पिछले पांच दिनों से मौसम खराब हो रहा है। रूक-रूक कर बारिश भी हो रही है। इसके बावजूद भी किसान अपनी फसल को तिरपाल ओर पन्नी से ढक कर उपज लेकर मंडी पहुंच रहा है।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने जारी की स्नातकोत्तर की प्रावीण्य सूची

छात्राओं की कड़ी मेहनत ने शिक्षण संस्थान के उद्देश्य को किया चरितार्थ: डॉ. चौबे

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

जिले के सबसे प्राचीन नर्मदा महाविद्यालय ने एक से एक महान विद्यार्थियों को शिक्षित करके देश प्रदेश स्तर पर नर्मदा नगरी का नाम रोशन किया है. इस कॉलेज से शिक्षित हुए विद्यार्थी वर्तमान समय देश- प्रदेश के कई उन्नत क्षेत्रों जैसे ब्यूरोक्रेसी राजनीति समाज सेवा कला साहित्य विधि आदि में सेवा देकर इस शिक्षण संस्थान के उद्देश्य को चरितार्थ कर रहे हैं।

शिक्षण कार्य में समर्पित भाव से लगे प्राचार्य और शिक्षकों की मेहनत का परिणाम है कि हर वर्ष इस कॉलेज के विद्यार्थी प्रदेश स्तर पर मेरिट सूची में अपना स्थान बना रहे हैं। इस वर्ष भी बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा जून 2022-23 स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षाओं की प्रावीण्य सूची जारी की है। जिसमें नर्मदा महाविद्यालय की तीन छात्राओं ने अपना स्थान बनाकर नर्मदापुरम के नर्मदा कालेज को गौरवान्वित किया है। छात्राओं की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य डॉ। ओ एन चौबे ने बताया कि मैरिट लिस्ट में जहां राजनीति शास्त्र एम ए चतुर्थ सेमेस्टर में एडलिन कुजूर ने 73.88 फीसदी व शैलजा राजपूत ने 73.67 प्रतिशत अंकों के साथ क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान वहीं भूगोल विषय में रिया गौर ने 77.10 प्रतिशत अंक प्राप्त कर वि वि की मैरिट में द्वितीय स्थान पर अपना नाम दर्ज करवाया है। उन्होंने मेधावियों और उनके अभिभावकों को बधाई दी। प्राचार्य श्री चौबे ने छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आप सभी की कड़ी मेहनत ने हमारे शिक्षण संस्थान के उद्देश्य को चरितार्थ किया है। छात्राओं को आशीष देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे ही प्रगति करते हुए परिवार समाज और नर्मदा नगरी को गौरवान्वित करते रहें। राजनीति शास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ अमिता जोशी ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने शैक्षणिक हितों के साथ अथक परिश्रम किया और अनुशासन का भी ख्याल रखा। जो छात्र जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। छात्राओं की सफलता के लिए कालेज के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल है।डॉ आलोक मित्रा,डॉ कमल वाधवा, डॉ जे के कमलपुरिया,डॉ सुधीर दीक्षित, डॉ राजीव शर्मा,डॉ सविता गुप्ता, डॉ ममता गर्ग, डॉ मीना कीर, डॉ एन आर अडलक, डॉ कल्पना विश्वास, डॉ अंजना यादव, डॉ नीलू दुबे, हेमलता सनोडिया , डॉ कायनात तरन्नुम , डॉ अर्चना पटेल तथा समस्त महाविद्यालयीन परिवार ने छात्राओं को बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

नर्मदा कॉलेज की मेधावी छात्राओं ने बढ़ाया नर्मदापुरम का गौरव

जिले में छाए रहेंगे बादल हल्की बारिश के आसार

सीहोर , दोपहर मेट्रो

जिले में बीते दिनों हल्की बारिश दर्ज की जा रही है। वहीं मौसम विशेषज्ञ की माने तो अभी 24 घंटे आसमान पर घने बादल छाए रहेंगे, और हल्की बारिश भी दर्ज की जाएगी। जिले में हो रही बारिश के कारण से रबी की फसलों को फायदा हो रहा है। किसान इस समय फसलों में पानी फेर रहे थे। हल्की बारिश के बाद से किसानों के चेहरे खिल गए हैं।

बीते दिनों से मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। आसमान पर बादल छाये हुए हैं। हल्की बारिश हो रही है। जिले में अभी तक 18 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। इस बारिश से रबी की फसलों को काफी फायदा हो रहा है। किसानों का कहना है कि इस समय गेहूं और चने की फसल में पानी फेर रहे थे। अब बारिश होने से काफी बचत होगी। वहीं जिन किसानों के सिंचाई के साधन पर्याप्त नहीं है, ऐसे किसानों को भी काफी फायदा होगा। इस सप्ताह हुई हल्की बारिश के कारण से किसान इन दिनों गेहूं की फसल में खाद डालने का काम कर रहे हैं।

तापमान में आई गिरावट

मौसम में आए बदलाव के कारण से तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। शहर के आरएके कालेज के मौसम विशेषज्ञ एसएस तोमर ने बताया कि बीते 24 घंटों में दिन का अधिकतम तापमान 24.5 व न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री दर्ज किया गया है। आगामी 24 घंटे तक इसी तरह का मौसम बना रहेगा। हल्की बारिश भी दर्ज की जाएगी। वहीं मौसम में आए बदलाव के कारण से लोग दिन के समय भी गर्म कपड़े पहने हुए नजर आए।

मौसम को देखते हुए दी सलाह

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बदलते मौसम में बच्चों को निमोनिया के लक्षणों की पहचान व उसके उपचार व प्रबंधन के लिए विभाग तैयार है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सर्दी के मौसम में बच्चों में निमोनिया के केस ज्यादा पाए जाते हैं। इसे देखते हुए मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अवगत किया गया है। जिससे कि वह अपने क्षेत्र में निमोनिया के लक्षण वाले बच्चों की शीघ्र पहचान कर शीघ्र प्रबंधन कर सकें।

विधानसभा निर्वाचन के तहत धारा 144 प्रभावशील

सीहोर , दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन के तहत जिले की चारो विधानसभा में हुए मतदान की मतगणना के चलते प्रात- 8 बजे से जिला मुख्यालय स्थित शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में गहमागहमी है। मतगणना के समय कानून व्यवस्था बनाए, मतगणना स्थल पर मतगणना से संबद्ध अधिकारियों कर्मचारियों को डराने धमकाने एवं अनुचित घटनाओं की रोकथाम के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण सिंह ने दण्ड प्रकिया संहिता 1973 की धारा-144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सिंह के आदेश अनुसार कोई व्यक्ति बिना परिचय पत्र या वैद्य आदेश के मतगणना परिसर में प्रवेश नहीं करेगा। कोई व्यक्ति बंदूक, विस्फोटक सामग्री, किसी भी प्रकार का आग्नेय शस्त्र तथा प्राणघातक धारदार हथियार लेकर मतगणना स्थल एवं सार्वजनिक स्थान पर प्रदर्शन नहीं करेगा। (सुरक्षा से संबंधित कर्मचारियों एवं प्राधिकृत व्यक्तियों को छोड़कर) दिव्यांग तथा वृद्ध व्यक्तियों के अलावा कोई भी व्यक्ति मतगणना स्थल एवं सार्वजनिक स्थान पर लाठी, डंडे लेकर नहीं घूमेगा। मतगणना स्थल एवं सार्वजनिक स्थान पर कोई भी व्यक्ति अथवा व्यक्ति समूह साम्प्रदायिकता, जातिगत विद्वेष भड़काने वाले भाषण नहीं करेगा और न ही उसमें सम्मिलित होगा तथा सोशल मीडिया पर भी कोई व्यक्ति इस संबंध में न तो पोस्ट करेगा और न ही कमेन्ट करेगा। कोई भी व्यक्ति ईंट, पत्थर, सोडावाटर की बोतलें, ऐसिड या अन्य घातक पदार्थ एकत्रित नहीं करेगा, जिससे उपयोग से चोट पहुंचाई जा सकती है। कोई भी व्यक्ति ऐसी अफवाहें नहीं फैलायेगा, जिससे जनसाधारण में भय का वातावरण उत्पन्न हो। कोई भी व्यक्ति ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा, जिसके कारण शैक्षणिक संस्थायें, होटल, दुकानें, उद्योग एवं निजी तथा सार्वजनिक सेवाओं में व्यवधान हो।

मतगणना में विदिशा जिले के 46 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला

विदिशा । विदिशा जिले की पांचों विधानसभाओं की मतगणना कार्य शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेडी में प्रातः आठ बजे से शुरू हो चुका है मतगणना के संबंध में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप तमाम तैयारियां सुनिश्चित कराई गई हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर भार्गव ने सम्पूर्ण तैयारियां होने तक हरेक कक्ष में पहुंचकर जायजा ही नहीं लिया बल्कि मतगणना के दौरान किसी भी प्रकार के व्यवधान ना हो

मेट्रो एंकर एड्स बचाव एवं भ्रांतिया तथा सामाजिक भेदभाव जैसे विषयों पर जागरूक किया

विश्व एड्स दिवस:जागरूकता का संदेश अस्पताल परिसर में रंगोली व रेड रिबिन बनाकर दिया

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय, जिला क्षय केन्द्र एवं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नर्मदापुरम में कार्यरत स्टॉफ को जाकर जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम दिशाडापक, जिला क्षय केन्द्र आईसीटीसी, एसटीआई एवं लक्ष्य गत हस्तक्षेप परियोजना के कमचारियो ने रेड रिबन लगाकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला नर्मदापुरम डॉ. दिनेश देहलवार, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल डॉ सुधीर विजयवर्गीय, अधीक्षक जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम एवं. डॉ प्रियंका दुबे, जिला नोडल अधिकारी डॉ राजेश माहेश्वरी, आर.एम.ओ. / प्रभारी एसटीआई डॉ सुनील जैन उपस्थित रहे।

रैली का आयोजन

जिला चिकित्सालय से रैली का आयोजन किया गया जिसमे बीआरडीकालेज पवारखेडा के छात्र छात्राओ एवं शिक्षको एवं जिला चिकित्सालय जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम दिशा डापकू जिला क्षय केन्द्र आईसीटीसी, एसटीआई, सामाजिक सुरक्षा एवं लक्ष्य गत हस्तक्षेप परियोजना कार्यक्रम के दौरान जिला नोडल अधिकारी एड्स, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक

जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम एवं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला नर्मदापुरम उपस्थित रहे।

नुक्कड़ नाटक

रेड रिबन एवं कालेज के छात्र छात्राओं के द्वारा जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम परिसर में एचआईव्ही एड्स जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत नुक्कड नाटक का आयोजन किया गया। जिसमे लोगो एचआईव्ही के कारणो, एचआईव्ही कैसे नही फैलता, एचआईव्ही की निशुल्क जाँच एवं उपचार जैसे विषयो के साथ ही गुप्तरोग के कारणों एवं उपचार की विस्तृत जानकारी दी गई।

अन्य विभागो मे रेड रिबन लगाकर किया गया जागरूक किया

जिले के सामाजिक न्याय एवं महिला एवं बाल विकास विकास विभाग में जाकर जिला एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अधिकारी कर्मचारी द्वारा उपरोक्त विभाग के अधिकारियो एवं कर्मचारियो को रेड रिबन लगाकर एड्स अधिनियम 2017 एवं एड्स कैसे फेलता है बचाव एवं भ्रातिंया तथा सामाजिक भेदभाव जैसे विषयो पर जागरूक किया गया। जिला एड्स नियंत्रण के अन्तर्गत कार्यरत परामर्शदाता प्रकाशचन्द्र यादव द्वारा एचआईव्ही के उपचार एवं गर्भवती महिलाओं से होने वाले शिशु का बचाव एवं एचआईव्ही एड्स अधिनियम 2017 की जानकारी दी गई। श्री विवेक पटवा द्वारा एसटीआई एवं योन रोगो की निशुल्क जाँच एवं उपचार की विस्त्रत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सुनील साहू मिडिया अधिकारी , एएसओ राजेश अहिरवाल, दिशा से हेमन्त पटेल, प्रकाशचन्द्र यादव परामर्शदाता आईसीटीसी विवेक पटवा डीएसआरसी राजेन्द्र दिवेदी पियांशी एसोसियेशन की प्रोजेक्ट मेनेजर श्रीमती मीनाक्षी बाथरे, सम्पूर्ण सुरक्षा कार्यक्रम की प्रोजेक्ट मेनेजर श्रीमती रक्षा शुक्ला एवं हरीश यादव गौरी कहार लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना का स्टॉफ एवं जिला चिकित्सालय एवं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्टॉफ की सक्रिय भागीदारी रही।

सिरोंज। मतगणना स्थल जफर खेड़ी पहुंचे दोनों प्रत्याशी दोनों ने किया जीत का दावा सिरोंज विदिशा जिले में पांचों सीटों पर भाजपा आगे।

स्कूल के गेट में ताला लटका मिला प्राथमिक शाला महावन, छात्र छात्राएं कर रहे स्कूल खुलने का इंतजार

छात्र-छात्राओं के भविष्य पर लापरवाही का ग्रहण !

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

हम बात कर रहे हैं विदिशा जिले की लटेरी विकासखंड के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक शाला महावन सैटेलाइट शाला सपेराटपरा और आड़ापानी की यह तीनों विद्यालय शाला समय में बंद पाए गए होने को यहां पर लगभग 7 शिक्षक पदस्थ हैं लेकिन शिक्षकों की लापरवाही कहें अथवा मनमानी की एक भी शिक्षक शाला में उपस्थित नहीं पाया गया हालांकि बच्चे जरूर स्कूल का ताला खुलने और शिक्षकों का इंतजार करते नजर आए महावन प्राथमिक शाला में पढ़ने वाले पांचवी कक्षा के छात्र भूरा से बात की गई तो उसे ना तो बोल(गेंद) की स्पेलिंग पता है और ना ही पांच का पहाड़ा आता शिक्षकों की अपने कार्य के प्रति लगन और कार्य के प्रति निष्ठा देखिए की पांचवी क्लास के बच्चे को 4 साल में पांच का पहाड़ा और बाल की स्पेलिंग भी नहीं सिखा पाए यही हाल सैटेलाइट शाला सपेरा टपरा में मिला यहां कक्षा 2 में पढ़ने वाले छात्र को भी एबीसीडी का पता नहीं बच्चों ने बताया कि प्रतिवर्ष लाखों रुपए इन शिक्षकों के प्रशिक्षण पर खर्च करने के बाद भी नतीजे के नाम पर बच्चों का शैक्षणिक स्तर जीरो ही नजर आ रहा है लटेरी विकासखंड में यदि शिक्षा व्यवस्था की बात की जाए तो लगभग 791 शिक्षक और लगभग 300 अतिथि शिक्षक शालाओं में पदस्थ है और लगभग 3= करोड़ 50 लाख प्रति माह उनके वेतन पर सरकार खर्च करती है लेकिन नतीजे के नाम पर बच्चों को सिर्फ कागजों में ही शिक्षित किया जा रहा है ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से जब इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने तमाम तरह की मॉनिटरिंग की बात कही लेकिन मीडिया के अवलोकन में इन तीनों विद्यालय में मॉनिटरिंग जैसी कहीं कोई चीज नजर ही नहीं आई समय पर शालाओं का न खुलना और बच्चों के शैक्षणिक स्तर निम्न होना मॉनिटरिंग एजेंसियों पर भी निशाना खड़ा करता है निरीक्षण के नाम पर मॉनिटरिंग एजेंसियां सिर्फ अपने खुद के आंकड़े बढ़ाने में लगी हुई है हालांकि हम यह नहीं कहना चाहते कि सभी विद्यालयों की स्थिति इस तरह की होगी लेकिन तीन विद्यालय का अवलोकन करने पर इस तरह की स्थितियों का मिलना कहीं ना कहीं चिंताजनक नजर आता है।

बाउंड्री वॉल का कार्य प्रारंभ सहाफ़ी लोगों की देख रेख चल रहा है काम

8 लाख रुपए के खर्चे से होगा कार्य

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज कई वर्षों से तालाब किनारे वाले कब्रिस्तान का व्यवस्थित तरीके से गत वर्षों से कुछ भूमि स्वामी बनकर गलत तरीके से फायदा उठाकर लोगों से किराया वसूली का कार्य कर रहे थे जिसको देखते हुए शहर के सहाफि एडवोकेट शोएब खान द्वारा मेहनत करके उसको राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराया जिससे अब वहां बाउंड्री वॉल कराकर कब्रिस्तान की व्याप्त गंदगी भी खत्म हो सकेगी ।

कब्रिस्तान मैं बाउंड्री वॉल नहीं होने की वजह से कब्रिस्तान में बढ़ रही थी गंदगी जिसको देखते हुए क्षेत्रीय उलेमा एवं मुस्लिम समाज के मशवरे के बाद ग़ाज़ी वाली अहमद साहब चिश्ती की सरपरस्ती में बाउंड्री बाल उठाने का फैसला किया गया जिसकी जिम्मेदारी एडवोकेट शोएब खान को सौंपी एडवोकेट शोएब खान द्वारा बाउंड्री बाल का काम शुरू करवा दिया गया करीब तीन रोज से कब्रिस्तान की बाउंड्री बाल का काम चल रहा है इस विषय में एडवोकेट शोएब खान ने बताया कि इस बाउंड्री बाल का काम पूरा होने के बाद शहर में जिन कब्रिस्तानों में गंदगी हो रही है ।

उन कब्रिस्तान में भी बाउंड्री बाल करवा कर गेट लगाया जाएगा जिस के बाद पालतू जानवर मवेशी कब्रिस्तान में ना जा सके और गंदगी से कब्रिस्तान बचा रहे हम धीरे-धीरे करके शहर में मौजूद सभी कब्रिस्तान में बाउंड्री बाल बनाने की मुहिम चलाएंगे वहीं शोएब खान ने बताया कि सिरोंज बलेजा पेट्रोल पंप पर स्थित गोरी समाज के कब्रिस्तान है इसी से प्रेरित होकर गोरी समाज ने भी अपने कब्रिस्तानों की बाउंड्री बाल करने का फैसला किया है एवं काम शुरू भी कर दिया सभी मुस्लिम वर्ग के लोगों को बढ़-चढ़कर ज्यादा से ज्यादा बाउंड्री बाल में सहयोग करने की आवश्यकता है जिससे कि कब्रिस्तान की दुर्दशा बिगड़ने से बचे।

विधानसभा चुनाव - 2023 आयोग की वेबसाइट और वोटर हेल्पलाइन एप पर देख सकते हैं विधानसभा निर्वाचन के परिणाम

रायसेन । मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के लिए दिनांक 17 नवम्बर को हुए मतदान की आज मतगणना चल रही है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया आज प्रातः 8 बजे से रायसेन सहित प्रदेश के 52 जिला मुख्यालयों में स्थापित मतगणना केन्द्रों में मतों की गिनती प्रारंभ होगी। मतगणना के राउन्ड-वाइज परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे। सर्वप्रथम प्रातः 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गणना प्रारंभ होगी। इसके आधे घंटे बाद 8.30 बजे ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। पोस्टल बैलेट की गणना समाप्त होने के तत्काल बाद प्रत्येक उम्मीदवार को मिले डाक मत पत्रों की घोषणा की जाएगी। विधानसभा निर्वाचन-2023 की मतगणना के परिणाम भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट https:// results.eci.gov.in और वोटर हेल्पलाइन एप (VHA) पर देखे जा सकेंगे। वोटर हेल्पलाइन एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा। इसके अलावा https:// ceomadhyapradesh.nic.in पर भी मतगणना के परिणाम प्रदर्शित किये जाएंगे।

आज जनता का फैसला आएगा सामने, मतगणना के लिए दोनों दालों के समर्थक जुटे

'किसके सिर सजेगा ताज' परिणाम को लेकर धड़कनें तेज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

लंबे समय से जिस घड़ी का इंतजार प्रत्याशियों से लेकर उनके समर्थन कर रहे थे ।वह घड़ी आ गई है आज मतगणना के बाद जनता जनार्दन के द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए किसके सिर पर जीत का सहारा बंधा है। उसकी तस्वीर भी मतगणना के बाद सामने हो जाएगी दोपहर तक अंदाज लग जाएगा कि किसकी जीत है और किसकी हार होगी। शनिवार को कांग्रेस पार्टी एवं भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों के साथ इनके समर्थकों के द्वारा मतगणना को लेकर जोर-जोर से तैयारी की जा रही थी। क्योंकि यहां पर सीधा मुकाबला भाजपा और कांग्रेस में ही होता है । भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी उमाकांत शर्मा तथा कांग्रेस से प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी के बीच में सीधी टक्कर है, वैसे चुनावी समर में अन्य प्रत्याशियों मैदान में थे उनके द्वारा भी मतगणना के लिए व्यवस्थाएं करके समर्थकों को विदिशा ले जाने का काम किया जहां भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा ने पहले अपने समर्थकों को काउंटिंग के लिए विदिशा रवाना किया । दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी ने सभी कार्यकर्ताओं से पहले अपने घर पर चर्चा की इसके बाद इनको अलग-अलग वाहनों से काउंटिंग के लिए रवाना किया इसके बाद यहां अपनी पत्नी पार्वती रघुवंशी के साथ श्री मंशापूर्ण सरकार हनुमान जी मंदिर पहुंचे जहां पर दोनों ने विधि विधान से पूजन करके करके भगवान से अपनी जीत की प्रार्थना की इससे पहले इन्होंने अपनी कुलदेवी के मंदिर पहुंचकर पूजन की साथ ही ओरछा के रामराजा सरकार के दर्शन भी एक दिन पहले किए उन्होंने प्रदेश टुडे से बात करते हुए कहा कि जनता जनार्दन ने जिस आशा विश्वास से मुझे उम्मीदवार बनाकर मेरा चुनाव लड़ा है। भारी समर्थन से हमें विजय प्राप्त होगी सुबह से लेकर डेड शाम तक अपने कार्यकर्ताओं से मेल मुलाकात भी करते रहे । वही भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा ने बताया कि सिरोंज , लटेरी क्षेत्र की जनता जनार्दन हमेशा भगवान मानकर है सच्चे मन से सेवा की है, उसी का परिणाम है कि जनता ने मेरा स्वयं चुनाव लड़ा है हमारी जीत भी निश्चित हो गई प्रदेश में भी भाजपा की सरकार बनेगी सिरोंज में भी कमल खिलेगा जिले में पांचों सीटें बीजेपी जीत कर इतिहास दोहराएगी इन्होंने भी विदिशा जाने से पहले देर शाम को गणेश की अथाई पर स्थित श्री गणेश जी महाराज की पूजा अर्चना की साथ ही अन्य मंदिरों में दर्शन करने के बाद विदिशा के लिए रवाना हुए।

कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी ने पत्नी के साथ माताजी , मनसापूर्ण सरकार के किए दर्शन, लगाई अर्जी

किसने किसमे दी बत्ती उसकी भी खुलेगी तस्वीर

विधानसभा चुनाव में अंदर ही अंदर विरोध करने का काम हुआ है जिनके चेहरे भी परिणाम के बाद सामने आ सकते हैं,इसलिए इनको अपनी पोल खोलने का डर भी सता रहा है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस में बत्ती देने का खेल खूब जोर से चला जहां कांग्रेस से बड़ी संख्या में दावेदार टिकट मांग कर दावेदारी कर रहे थे जिनमें से अधिकांश दावेदारों ने कांग्रेस के प्रत्याशी समर्थन ना करते हुए अंदर-अंदर बत्ती देने का कार्य किया है। जिनकी चर्चाएं हो रही परिणाम के बाद बत्ती देने वालों की पोल भी खुल जाएगी क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मंच से ही कहा था कि मैं देखूंगा किसके कार्यकर्ता ने अपने-अपने क्षेत्र में काम करके कांग्रेस को जिताने का काम किया है। नेताओं के क्षेत्रों से परिणाम गलत आते हैंतो इसक खुलासा हो जाएगा दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी को उमकांत शर्मा का भी इनकी पार्टी के कुछ लोगों ने अंदर-अंदर विरोध किया है उनकी चर्चाएं भी हो रही है गिनती के बाद बत्ती देने वालों की तस्वीर भी खुल सकती है ।इस वजह से बत्ती देने वालों की चिंताएं भी इस समय बड़ी हुई है। बाजार में फूलमाला और मिठाई के लिए दोनों पार्टियों के समर्थक ने तैयारी की हैं देखना है कि किसको मिठाई खाने और खिलाने का मौका मिलेगा।

क्या भाजपा अपना घर बचा पाएगी ओर कांग्रेस 2013 का परिणाम ला पाएगी ?

विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद से ही कयासों का दौर चल रहा है इसकी जीत होगी उसकी हर होगी पर आज ईवीएम से मतगणना के बाद जीत का फैसला भी सामने आ जाएगा किसकी किस्मत ने जोर मार और किसको विधानसभा पहुंचने का मौका मिलेगा उसकी तस्वीर भी पूरी तरह से साफ हो जाएगी। दूसरी ओर इस बात की जरूर चर्चा हो रही है कि 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी उमाकांत शर्मा ने कांग्रेस की मसर्रत शाहिद को 34734 वोटो से हराकर इतिहास रचा था इसलिए इनके सामने इस तरह का प्रदर्शन को दोहराने की चुनौती सामने है क्या बीजेपी इस जीत को कायम रख पाएगी। दूसरी ओर 2013 के चुनाव में कांग्रेस को जीत मिली थी इस तरह की जीत की उम्मीद इस बार भी कांग्रेस के कार्यकर्ता कर रहे हैं कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी लटेरी क्षेत्र से ही आते हैं इसलिए इस बात को बल मिल रहा है ।देखने वाली बात होगी के 2013 में हुए चुनाव का परिणाम 2023 में देखने को मिलेगा या नहीं जनता ने किसको अपना मत देकर विधानसभा का टिकट पक्का किया है । मत प्रतिशत बढ़ने से भी कई तरह की चर्चा हो रही है। इसमें यह बात भी सामने आ रही कि जब भी मत प्रतिशत बढ़ता है तो भाजपा को फायदा होता है ।अब देखना है की वोट प्रतिशत बढाने का फायदा भाजपा को मिलेगा या कांग्रेस को मिलेगा इसकी सच्चाई भी आज सामने आ जाएगी।

मेट्रो एंकर वार्डों में सड़क में घटिया सामग्री का किया गया इस्तेमाल आचार संहिता का उठाया पूरा लाभ

नगर पालिका व ठेकेदारों की जुगलबंदी का अनूठा गठजोड़

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज नगर के वार्डों में आचार संहिता के लगते ही रोड़ों के कामों का अंबार लग गया मानो जैसे आचार संहिता के बाद निर्माण कार्य की ही नहीं जाएंगे कुछ व्यक्तियों का ध्यान इस और आकर्षित हुआ तो इन्होंने इसकी शिकायत भी कई बार मौखिक नगर पालिका अधिकारियों से की नगर पालिका अधिकारी रोड निर्माण कार्य स्थान पर देख दिखावे के लिए तो आए लेकिन घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहे रोड़ों पर रोक ना लगा सके कई बार मीडिया कर्मियों द्वारा भी खबरों में प्रकाशित किया गया लेकिन नगर पालिका के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारियों ने इस और ध्यान नहीं दिया मीडिया कर्मियों ने कई बार टिएस की कॉपी की मांग भी की नगर पालिका सीएमओ के आदेश के बाद भी कर्मचारियों ने टिएस की कॉपी नहीं दी जिससे इसका अंदाजा भी लगाया जा सकता है कि कहीं ना कहीं सीएमओ की भी मिली भगत से सिरोंज नगर के रोड का निर्माण किया गया वहीं रोडो की स्थिति आज भी देखी जाए तो अभी से ही रोड चटकने लगे आज भी अगर जांच की जाएगी तो रोड़ों में घटिया सामग्री मौजूद मिलेगी सिरोंज के रहवासी इस बात से ना खुश है कि कई वर्षों में रोड डाले वह भी घटिया सामग्री से नालियों का भी किया गया निर्माण घटिया स्तर पर अगर आज भी वार्डों में चेक किया जाए तो कई वार्ड में नालियां आव्यवस्थित तरीके से पड़ी हुई है और वार्ड वासी परेशान हो रहे हैं लेकिन इस और नगर पालिका ध्यान नहीं दे रही ठेकेदारों का मनचाहा काम और नगर पालिका की मिली भगत से सरकार के लाखों रुपयो का दुरुपयोग किया गया है और लगातार किया जा रहा है कब होगा सुधार।

फ्लू वायरल और निमोनिया में बड़ा फर्क, नजरंदाज करना पड़ सकता है भारी, होता है जानलेवा

कोरोना के बाद अब चीन में छोटे बच्चों में सांस से संबंधित बीमारी माइक्रोप्लाज्मा निमोनिया और इन्फ्लुएंजा फ्लू के मामले दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। ऐसे में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सभी देशों को अलर्ट जारी किया है। डब्ल्यूएचओ की चेतावनी के चलते भारत सरकार ने भी देश के सभी राज्यों को निगरानी बढ़ाने के दिशा-निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की संचालक प्रियंका दास ने मध्य प्रदेश की सभी सरकारी व निजी स्वास्थ्य संस्थाओं में आने वाले सभी इन्फ्लुएंजा (सर्दी, जुखाम, बुखार, फेफड़ों में जलन) से संबंधित मामलों की मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं।

फ्लू

फ्लू को मेडिसिन की भाषा में इन्फ्लुएंजा भी कहा जाता है। इन्फ्लुएंजा एक तरह का मौसमी फ्लू है, जिसमें सामान्य तौर पर नाक, गले और लंग्स में इन्फेक्शन हो जाता है। यह संक्रमण इन्फ्लुएंजा नाम के वायरस की वजह से होता है। इन्फ्लुएंजा से इन्फेक्टेड अधिकतर लोग 3-4 दिन में अपने आप ही ठीक हो जाते हैं। अगर वायरस का लोड ज्यादा हो और तबीयत 3-4 दिन में ठीक न हो तो डॉक्टर को दिखाना चाहिए। लापरवाही कभी-कभी जानलेवा भी साबित हो सकती है।

निमोनिया

निमोनिया का इन्फेक्शन बैक्टीरिया, वायरस या फंगस से हो सकता है। निमोनिया में सांस लेने में तकलीफ होती है। सीने में तेज दर्द होता है। इससे शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। निमोनिया कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों, बच्चों और बुजुर्गों को जल्दी होता है। दो साल से कम उम्र के छोटे बच्चों के लिए यह ज्यादा खतरनाक हो सकता है। बैक्टीरियल निमोनिया होने पर पेशेंट की हालत गंभीर हो सकती है। समय पर इलाज न मिलने पर जान भी जा सकती है।

निमोनिया व फ्लू से ज्यादा खतरा

इस वायरस का खतरा 6 महीने से 5 साल की उम्र के बच्चों और 65 साल से अधिक उम्र के लोगों को ज्यादा होता है। ज्यादा भीड़-भाड़ वाली जगहों जैसे वर्कप्लेस, नर्सिंग होम, हॉस्पिटल में काम करने या रहने वाले लोग इसकी चपेट में आ सकते हैं। गर्भवती महिलाओं में, खासकर पहली तिमाही के बाद इन्फ्लुएंजा के विकसित होने और इसके जटिल रूप लेने की आशंका दूसरों के मुकाबले ज्यादा होती है।

कमजोर इम्यून सिस्टम- जिनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है, उनके भी इस वायरस से संक्रमित होने का रिस्क ज्यादा रहता है।

मेडिकल हिस्ट्री- किसी पुरानी बीमारी जैसे डायबिटीज, लंग डिजीज, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, नर्वस सिस्टम डिजीज या सीपीओडी और किडनी-लिवर-हार्ट पेंशेंट्स के लिए इसका रिस्क ज्यादा रहता है।

इंडिया और ऑस्ट्रेलिया का आखिरी टी-20 मुकाबला आज

भारत के पास पहली बार टी-20 सीरीज में 4 मैच जीतने का मौका

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही टी-20 सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला आज खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शाम 7 बजे से खेला जाएगा। मैच का टॉस शाम 5.30 बजे होगा।

बेंगलुरु में टीम इंडिया के पास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार एक टी-20 सीरीज में 4 मैच जीतने का मौका होगा। भारत फटाफट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक सीरीज में 3 से ज्यादा मुकाबले नहीं जीत सका है। हालांकि मैदान के आंकड़े कंगारुओं के पक्ष में हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने यहां एक भी टी-20 मैच नहीं गंवाया है। लिहाजा मेहमान टीम आखिरी मैच को जीतकर हार के अंतर को कम करना चाहेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से इस सीरीज में जोश इंग्लिस ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं, लेकिन वे उपलब्ध नहीं हैं। इंग्लिस 3 मैचों में एक शतक के सहारे 122 रन बना चुके हैं। वहीं, जेसन बेहरनडर्फ ने 3 मैचों में 4 विकेट लिए हैं।

बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया अजेय

भारतीय टीम हेड-टु-हेड रिकॉर्ड में ऑस्ट्रेलिया से आगे है। दोनों के बीच अब तक 30 टी-20 इंटरनेशनल खेले गए हैं। इनमें से 18 भारतीय टीम ने जीते हैं, जबकि 11 मैचों के नतीजे कंगारुओं के पक्ष में रहे हैं। एक मैच नो रिजल्ट रहा है। वेन्यू के हेड-टु-हेड में ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत पर हावी है। टीम ने यहां अपने दोनों टी-20 जीते हैं, जबकि भारतीय टीम इस मैदान पर 6 में से 3 टी-20 मैच हार चुकी है। यह इंडिया का इकलौता होम ग्राउंड है, जहां भारतीय टीम ने 3 टी-20 मैच गंवाए हैं और 2 जीते हैं।

166+ के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे गायकवाड, बिश्नोई 7 विकेट ले चुके

सीरीज में भारत के सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। टीम ने बैटिंग, बॉलिंग ऑर फील्डिंग तीनों क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। ऋतुराज गायकवाड और रवि बिश्नोई इस सीरीज में टीम के टॉप परफॉर्मर्स हैं। गायकवाड 4 मैचों में एक सेंचुरी और एक फिफ्टी की मदद से 213 रन बना चुके हैं। वे 166.40 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं। दूसरी ओर, रवि बिश्नोई टीम इंडिया के टॉप विकेटटेकर हैं। वे 4 मैचों में 7 विकेट ले चुके हैं।

भारत ने सबसे ज्यादा टी-20 जीतने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, पाकिस्तान को पीछे छोड़ा

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चौथे टी-20 में 20 रन से हरा दिया है। इसी के साथ टीम ने सबसे ज्यादा टी-20 इंटरनेशनल जीतने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिया। भारत ने 136वां टी-20 जीता, टीम ने पाकिस्तान को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 135 टी-20 जीत हैं। रायपुर में चौथा टी-20 जीतने के साथ टीम इंडिया ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़ बना ली। पांचवां और आखिरी टी-20 तीन दिसंबर को बेंगलुरु में खेला जाएगा। रायपुर में टीम इंडिया ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 9 विकेट पर 174 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 154 रन ही बना सकी। भारत से रिंकू सिंह ने 46 रन बनाए, जबकि अक्षर पटेल ने 3 अहम विकेट लिए। टी-20 में टाई मुकाबलों के बाद भी अब सुपर ओवर के जरिए नतीजा निकलता है। उन नतीजों को भी जोड़ें तो भारत अब तक 139 और पाकिस्तान 136 टी-20 मैच जीता है। भारत अपने घरेलू मैदान पर 14 टी-20 सीरीज से अजेय है। टीम को आखिरी हार 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही मिली थी, तब ऑस्ट्रेलिया 2-0 से जीता था।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

हिन्दी के अलावा तमिल, कन्नड़ में भी फिल्में

स्टेज पर परफॉर्म करने से डरती थी यामी, स्पॉटलाइट में रहना पसंद नहीं

एक्ट्रेस यामी गौतम 27 फिल्में कर चुकीं हैं। हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में भी काम किया है। उनके एक्टिंग करियर की शुरुआत टेलीविजन शो से हुई थी। उनकी डेब्यू फिल्म विक्की डोनर थी, जिसका ऑडिशन उन्हें दो बार देना पड़ा और उसके बाद रोल मिला। फिल्म सफल रही और यामी ने कुछ और बेहतरीन फिल्मों जैसे बदलापुर, ए थर्सडे और काबिल में काम किया। यामी गौतम ने बताया कि मुझे स्टेज फोबिया था। सामने बहुत ज्यादा लोगों को देख कर घबरा जाती थी। पब्लिक स्पीकिंग और को-करिकुलर एक्टिविटीज से भी दूर रहती थी। वजह ये थी कि मुझमें आत्मविश्वास की कमी थी। हालांकि मैं पढ़ाई में बहुत अच्छी थी।

टीवी शोज के दौरान दिए कई ऑडिशन, रिजेक्शन भी बहुत फेस किया

यामी ने एक्टिंग करियर की शुरुआत टीवी शोज से की थी। उनके शुरुआती तीनों शोज जल्दी ऑफ एयर कर दिए गए थे। इस पर वो कहती हैं, हर दिन मेरा किरदार एक जैसा ही था। हर दिन मैं उसी किरदार में रो रही थी। मैं इन सब चीजों से कुछ अलग करना चाहती थी। फिल्मों की तरफ रुख करना चाहती थी। मेरे शो का सेट फिल्म सिटी के पास ही था। लंच टाइम में शो के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर से बात कर मैं कुछ जगह ऑडिशन देने चली जाती थी। कुछ समय बाद लंच ब्रेक में मैंने कथक क्लास भी जॉइन कर ली थी। मैं खुद को एक सीमा में बांधे नहीं रखना चाहती थी। कुछ ना कुछ नया करने की चाहत थी। फिर मैंने 6 महीने का वक्त लिया। मैंने पेरेंट्स को बताया कि बस ये 6 महीने में मैं एक्टिंग करियर को दूंगी। फिर भी अगर बात नहीं बन पाती है, तो मैं वो जॉब कर लूंगी जहां स्टेबिलिटी होगी। इस दौरान दिन भर ऑडिशन में ही चला जाता था। बहुत सारे रिजेक्शन भी मिले, पर हार नहीं मानी। ऑडिशन के दौरान यामी का सिलेक्शन किसी शो में हुआ था।

रणबीर कपूर की पावरफुल परफॉर्मेंस देख मां नीतू बोली- काश ऋषि यहां होते..

रणबीर कपूर की लेटेस्ट रिलीज फिल्म 'एनिमल' का क्रेज देखते ही बन रहा है. फिल्म को ऑडियंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है. फिल्म में रणबीर कपूर की पावरफुल परफॉर्मेंस की सबसे ज्यादा तारीफ हो रही है. इन सबके बीच एक्टर की मॉम यानी नीतू कपूर ने भी एनिमल देखी और बेटी की इस फिल्म को देखने के बाद उन्हें दिवंगत पति ऋषि कपूर की याद आ गई. हर किसी की तरह, रणबीर कपूर की मां और वेटरन एक्ट्रेस नीतू कपूर भी 'एनिमल' में एक्टर की ब्लॉकबस्टर परफॉर्मेंस को देखकर काफी इंप्रेस हैं. शनिवार को, नीतू ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित फिल्म से अपने बेटे की एक तस्वीर शेयर करते हुए अपने दिवंगत पति ऋषि कपूर को याद किया और इच्छा जताई की रणबीर के माइंड ब्लोइंग एक्ट को देखने के लिए काश वो मौजूद होते. नीतू ने लिखा, 'काश ऋषि जी यहां होते' बता दें रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है. फिल्म के हिंदी वर्जन ने पहले दिन 54.75 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है. हाईएस्ट ओपनिंग वाली फिल्मों में एनिमल ने अपनी तीसरी जगह बना ली है. साउथ भाषा में इसकी कमाई 9.05 करोड़ रुपये हुई है. इस तरह भारत में फिल्म का फर्स्ट डे कलेक्शन 63.80 करोड़ रुपये हुआ है. ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक, इस लिस्ट में पहले नंबर पर सुपरस्टार शाहरुख खान की फिल्म जवान है, जिसने पहले दिन 65.50 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है. दूसरे नंबर पर 'पठान' है, जिसमें शाहरुख खान अपने एक्शन अवतार से छा गए थे. इसके पहले दिन की कमाई 55 करोड़ रुपये हुई थी.

लंदन में छुट्टी मना रही दीपिका ने शेयर की फोटो

दीपिका पादुकोण इन दिनों लंदन में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ फोटोज शेयर की। फोटोज में दीपिका अपनी बेस्ट फ्रेंड्स रामचंदर और दिव्या नारायण के साथ नजर आ रही हैं। अपनी बेस्टी को हेयर स्टाइल में मदद करते हुए दीपिका की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। हाल ही में दीपिका की दोस्त स्नेहा रामचंदर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की। फोटो में दीपिका बहुत ध्यान से अपनी बेस्ट फ्रेंड के बाल बनाती नजर आ रही हैं। स्नेहा ने कैप्शन लिखा- दीपिका पादुकोण मेरे बाल बनाती हुई। असिस्टेंट के तौर पर हमारी दोस्त दिव्या नारायण भी मौजूद हैं। फोटो में दीपिका कैजुअल लुक में दिख रही हैं। उन्होंने व्हाइट ट्यूनिक पहनी हुई है। स्नेहा के सामने चाय का कप रखा हुआ भी नजर आ रहा है। इस बीच कल दीपिका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दो तस्वीरें शेयर की थी। वे अपने दोस्तों के साथ लंदन के एक रेस्टोरेंट के बाहर पोज करती दिख रही थी। दीपिका ने व्हाइट हुडी के ऊपर ब्राउन ओवरकोट पहना हुआ था। उन्होंने इनफिनिटी का साइन बना कर फोटो शेयर की।

अरबाज की एक्स गर्लफ्रेंड जॉर्जिया ने ब्रेकअप पर तोड़ी चुप्पी, बोली-

हमें पता था यह रिश्ता हमेशा के लिए नहीं रहेगा

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा से साल 2017 में तलाक के बाद अरबाज खान, जॉर्जिया एंड्रियानी को डेट कर रहे थे। दोनों पिछले काफी समय से एक-दूसरे के साथ हैं। अक्सर दोनों इवेंट और पार्टी में साथ नजर आते हैं। कपल के रिलेशनशिप को चार साल हो चुके हैं, लेकिन अब दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। इस बार का खुलासा खुद जॉर्जिया ने किया है। जॉर्जिया ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान अपने ब्रेकअप पर चुप्पी तोड़ी है। जॉर्जिया ने बताया कि इस समय बहुत अच्छे दोस्त हैं, हम हमेशा बहुत अच्छे दोस्त रहेंगे। जॉर्जिया एंड्रियानी कहती हैं, हम हमेशा बहुत करीब रहे हैं, हमेशा बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं। मुझे लगता है कि शुरू से ही हम दोनों जानते थे कि यह रिश्ता हमेशा के लिए नहीं रहेगा, क्योंकि हम बहुत अलग हैं, हम दोनों यह जानते थे, लेकिन हममें से किसी में भी इसे एक्सेप्ट करने की हिम्मत नहीं थी। जॉर्जिया ने अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा के रिश्ते पर भी बात करते हुए कहा, इससे मेरे इक्वेशन पर कोई असर नहीं पड़ा। अरबाज का मलाइका के साथ जो रिश्ता था, वह वास्तव में उनके साथ मेरे रिश्ते के आड़े कभी नहीं आया। यह पहले ही खत्म हो चुका था। लगभग दो साल हो गए थे। ऑफिशियल तौर पर उनका तलाक एक साल या डेढ़ साल कुछ इसी तरह हुआ था। जॉर्जिया ने बताया कि उन्होंने और अरबाज ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। अरबाज के लिए उनके मन में हमेशा फिलिंग्स रहेंगी।

विवाद के चलते सलमान बट को सिलेक्शन कमेटी से हटाया

इस्लामाबाद, एजेंसी

स्पॉट फिक्सिंग के मामले में 5 साल का प्रतिबंध झेल चुके सलमान बट को पाकिस्तान क्रिकेट टीम की सिलेक्शन कमेटी से हटा दिया गया है। टीम के चीफ सिलेक्टर वहाब रियाज ने खुद इसकी जानकारी दी। एक दिन पहले सलमान बट को वहाब रियाज का सलाहकार बनाया गया था। उसके बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स बट को सिलेक्शन कमेटी में शामिल करने की आलोचना कर रहे थे। ऐसे में पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड ने बट को सिलेक्शन कमेटी से हटाने का फैसला लिया।

राहुल द्रविड़ वाइफ के साथ बेटे का मैच देखने पहुंचे मैसूर

मैसूर, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर और टीम इंडिया के मौजूदा हेड कोच राहुल द्रविड़ वाइफ विजेता पंढारकर के साथ बेटे समित द्रविड़ का मैच देखने मैसूर पहुंचे। द्रविड़ और विजेता ने मैदान के बाहर सीढ़ियों पर बैठ कर मैच एन्जॉय किया। समित ऑलराउंडर हैं और कर्नाटक अंडर-19 टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने कूच बिहार ट्रॉफी के तहत उत्तराखंड के खिलाफ चार दिवसीय मैच के पहले दिन 2 विकेट लिए। यह मैच मानसगंगोत्री के SDNR (श्रीकांत दत्त नरसिम्हराजा) वाडियार स्टेडियम में मैच खेला जा रहा है।

मेट्रो एंकर अब दोनों वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप खिताब में हो सकते हैं शामिल

ग्रैंडमास्टर आर. प्रगनाननंदा और उनकी बहन वैशाली ने रचा अनूठा इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी

ग्रैंडमास्टर आर. प्रगनाननंदा और उनकी बहन वैशाली रमेशबाबू ने अनूठा इतिहास रचा है। वैशाली स्पेन में एललोब्रेगेट ओपन के दौरान 2500 रेटिंग को पार कर भारत की तीसरी महिला ग्रैंडमास्टर बन गईं। इस उपलब्धि के साथ वैशाली और उनके छोटे भाई प्रगनाननंदा इतिहास में दुनिया की पहली ग्रैंडमास्टर भाई-बहन की जोड़ी बन गए हैं। दोनों भाई-बहन ग्रैंडमास्टर बनने के बाद कैडेट्स भी बन गए। दोनों वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप खिताब में शामिल हो सकते हैं। ग्रैंडमास्टर बनने के बाद उत्साहित वैशाली का कहना है कि मैं खिताब हासिल करने से काफी खुश हूं।

प्रगनाननंदा ने बड़ी बहन से सीखा था शतरंज

प्रगनाननंदा की बड़ी बहन वैशाली ने भी छोटी उम्र से ही शतरंज खेलना शुरू किया था। घर में बहन वैशाली को खेलता देख प्रगनाननंदा की भी शतरंज के प्रति रुचि बड़ी। वैशाली ने ही छोटे भाई प्रगनाननंदा को शतरंज की बारीकियां सिखाईं। वैशाली एक इंटरव्यू में बताती हैं- जब मैं करीब 6 साल की थी, तो बहुत कार्टून देखती थी। मुझे टीवी से दूर करने के लिए पेरेंट्स ने मेरा नाम शतरंज और ड्रॉइंग की क्लास में लिखा दिया। बहन को चेस खेलता देख प्रगनानंदा भी उससे प्रेरित हुए और महज 3 साल की उम्र में शतरंज सीखने लगे। उन्होंने चेस की कोई क्लास नहीं ली और अपनी बड़ी बहन से खेलना सीखा।

पिता बैंक में, मां हाउस वाइफ

प्रगनानंदा का जन्म 10 अगस्त, 2005 को चेन्नई में हुआ। उनके पिता स्टेट कॉर्पोरेशन बैंक में काम करते हैं, जबकि मां नागलक्ष्मी एक हाउसवाइफ हैं। उनकी एक बड़ी बहन वैशाली आर हैं। वैशाली भी शतरंज खेलती हैं। प्रगनानंदा का नाम पहली बार चर्चा में तब आया, जब उन्होंने 7 साल की उम्र में वर्ल्ड यूथ चेस चैम्पियनशिप जीत ली।

प्रगनानंदा वर्ल्ड कप में थे रनर अप

प्रगनानंदा अजरबैजान के बाकू में हुए FIDE वर्ल्ड कप में रनर अप रहे थे। उन्होंने फाइनल में उन्हें 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने टाईब्रेकर में 1.5-0.5 से हराया। टाईब्रेकर का पहला रैपिड गेम नॉर्वे के खिलाड़ी ने 47 मूव के बाद जीता था। दूसरा गेम ड्रॉ रहा और कार्लसन चैंपियन बन गए। इससे पहले, दोनों ने क्लासिकल राउंड के दोनों गेम ड्रॉ खेले थे। प्रगनानंदा अगर यह मुकाबला जीत जाते तो 21 साल बाद कोई भारतीय यह टाइटल जीतता। इससे पहले विश्वनाथन आनंद ने 2002 में इस चैंपियनशिप में जीत हासिल की थी। तब प्रगनानंदा पैदा भी नहीं हुए थे।

नवमीं की छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित देवलखेड़ी गांव में कल शाम नवमीं कक्षा की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। परिजन से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस के अनुसार वंशिका मीणा पिता राजेश मीणा (16) गांव देवलखेड़ी, सूखीसेवनिया क्षेत्र में रहती थी। उसके पिता राजेश मीणा किसान है। राजेश मीणा ने बताया कि उनकी बेटी वंशिका नवीं कक्षा में पड़ती थी। शुक्रवार शाम उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। किसी तरह कमरे का दरवाजा खोलकर वे बेटी को निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में वंशिका को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा। साथ ही उनके बयान दर्ज किए जाएगे।

यूपीएससी की परीक्षा में नकल करते पकड़ाया अभ्यार्थी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित सरोजनी नायडू कॉलेज में चल रही परीक्षा में एक अभ्यार्थी नकल करते पकड़ा गया। घटना के बाद सरोजनी नायडू कॉलेज में परीक्षक द्वारा पुलिस को सूचनार्थ शिकायती आवेदन दिया गया, लेकिन यूपीएससी बोर्ड को जब अभ्यर्थी द्वारा की जारी नकल की जानकारी लगी तो परीक्षक को थाने भेजकर शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने बताया प्रोफेसर डीपी रोहित ने शिकायत करते हुए बताया कि सरोजनी नायडू कालेज में यूपीएससी की परीक्षा दो दिसंबर शनिवार दोपहर चल रही थी। इस दौरान अभ्यर्थी अमित राठी कागज में कुछ लिखकर लाया था और उसी कागज से परीक्षा में दी जाने वाली उत्तरपुस्तिका में लिख रहा था।

अब गांवों के घरों को भी निशाना बनाने लगे चोर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में कटारा गांव और बगनी गांव में बदमाशों ने धावा बोल दिया। आरोपी यहां से करीब आठ बाइक चोरी कर ले गए। हालांकि चोरी गई बाइकों में से दो बाइक लावासरिस हालात में बरामद कर ली गई हैं। चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। कटारा गांव में रहने वाले शाहिद खान ने बताया कि वह खेती किसानी का काम करते हैं। घर आने के बाद उन्होंने अपनी बाइक को घर के बाहर पार्क किया था। यहीं उनकी एक अन्य बाइक पहले ही पार्क थी। सुबह उठे तो दोनों बाइक गायब हो चुकी थीं। आस पास तलाश करने पर पता लगा कि आरोपी उनके गांव में ही रहने वाले एक अन्य व्यक्ति की बाइक भी चोरी कर ले गए हैं। इतना नहीं उन्होंने पास के ही बगनी गांव से 5 बाइक चोरी की हैं।

लाजिस्टिक कंपनी के कर्मचारी ने पार्सल में रखे गोल्ड की चोरी की थी

कंपनी के कर्मचारी ने ही चुराया था 18 लाख का गोल्ड बार, गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा पुलिस ने एक लाजिस्टिक कंपनी के कर्मचारी को चोरी के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपनी ही कंपनी द्वारा भेजे जाने वाले एक पार्सल से 18 लाख रुपए कीमत का 300 ग्राम सोना (गोल्ड बार) चोरी कर लिया था। भोपाल और इंदौर स्थित कार्यालय के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद आरोपी को पकड़ा जा सका।

थाना प्रभारी बिजेंद्र मर्सकोले ने बताया कि रविकुमार सूर्यवंशी (33) अहमदाबाद पैलेस रोड कोहेफिजा में रहते हैं और एक लॉजिस्टिक कंपनी में ब्रांच मैनेजर हैं। यह कंपनी पूरे देश में पार्सल की डिलीवरी करती है। बीती 30 सितंबर को उनकी कंपनी की गाड़ी से तीन पार्सल भोपाल पहुंचे थे, लेकिन तीनों खुले हुए थे। कार्यालय के बाहर जब उन्होंने चैक किया तो तीनों पेटियों के अंदर 65 पार्सल निकले, जबकि लिस्ट के हिसाब से कुल 66 पार्सल होना चाहिए थे। गायब हुआ पार्सल नरसिंहपुर के एक ज्वैलर्स का था, जिसके अंदर 300 ग्राम सोना (गोल्ड बार) रखा हुआ था। करीब एक महीने की तलाश के बाद जब पार्सल के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली तो उन्होंने थाने पहुंचकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। टीआई ने बताया कि भोपाल और इंदौर स्थित कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे चैक करने के बाद कंपनी के एक कर्मचारी दुर्गेश प्रजापत (32) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने उक्त गोल्ड बार चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्ज से चोरी किया गया सोना बरामद कर लिया है। आरोपी मूलत- देवास का रहने वाला है। फिलहाल वह आजाद नगर इंदौर में रहता था और उसी लाजिस्टिक कंपनी में काम करता था, जहां उसने चोरी की थी।

बस में बैठकर भोपाल आता फिर बाइक चुरा कर भाग जाता, छह दोपहिया वाहन बरामद

भोपाल। निशातपुरा पुलिस ने गुना के एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के कुल 6 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। आरोपी बस में बैठकर गुना से भोपाल आता था। रात के समय घरों के सामने दोपहिया वाहन चोरी कर वापस लौट जाता था। चोरी के वाहनों को वह आसपास के ग्रामीण इलाकों में पांच से सात हजार रुपये में बेच देता था। उसके गिरोह के अन्य साथियों का भी पता लगाया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक सूचना मिली कि देवकी नगर ब्रिज के नीचे मौजूद एक युवक सस्ते दामों पर बाइक बेचने का बात कर रहा है, जो चोरी की हो सकती है। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो संदेही ने भागने का प्रयास किया, जिसे घेराबंदी कर दबोच लिया गया। पूछताछ पर उसने अपना नाम धनीराम पारदी पुत्र शंकर पारदी (20) निवासी ग्राम बीलाखेड़ी थाना धरनावदा जिला गुना बताया। उसके पास मौजूद पल्सर बाइक को लेकर पूछताछ करने पर कुछ दिनों पहले करोंद इलाके से चोरी करना बताया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की दो पल्सर, एक होंडा साईन, एक स्प्लेंडर प्लस, एक बजाज सीटी 125 और एक पेशन बाइक जब्त की गई है। यह सभी वाहन आरोपी ने निशातपुरा थाना क्षेत्र से ही चोरी किए थे।

द्वारिका नगर के पास मिला युवक का शव

सिर में लगी चोट, मामला संदिग्ध, हादसा या हत्या, पुलिस जांच में जुटी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित द्वारिका नगर गली नंबर-पांच के पास शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी चर्च और दुर्गा मंदिर के बीच सड़क पर एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। लाश सड़क पर ही किनारे पड़ी हुई थी। सिर में बाएं तरफ चोट होने के कारण पुलिस को मामला संदिग्ध लग रहा है। हालांकि पुलिस का कहना है कि किसी बड़े वाहन से भी टक्कर हो सकती है। मृतक की शिनाख्त नहीं होने के कारण शव फिलहाल मर्चूरी में रखवा दिया है। पुलिस उसकी शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी कृष्णदेव सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात वह संभागीय गश्त कर रहे थे। इस दौरान रात करीब डेढ़ बजे के आसपास सूचना मिली कि द्वारिका नगर, गली नंबर पांच के पास चर्च और दुर्गा मंदिर के पास मुख्य सड़क किनारे किसी युवक का शव पड़ा हुआ है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो एक 40 साल के युवक का शव बरामद किया गया। मृतक के सिर में बांई ओर चोट के निशान थे, जबकि सिर में टोपी लटकी थी। टोपी में खून था। यह कहना मुश्किल है कि युवक के सिर पर चोट कैसे आई है। रविवार को मृतक का पीएम कराया जाएगा। पीएम रिपोर्ट में ही मौत के सही कारण स्पष्ट हो सकेगे। पुलिस ने हत्या की बात से इंकार नहीं किया है।

गांव से नौकरी की तलाश में आए युवक ने लगा ली फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निशातपुरा थाना इलाके में रहने युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी करली। सुसाइड से पहले वह शराब के नशे में धुत था। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बॉडी को पीएम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया गया है। एएसआई नरेंद्र सेंगर के मुताबिक बलदेव सिंह (45) पुत्र करण सिंह मूल रूप से नोनीखेड़ी जिला सीहोर का रहने वाला था। फिलहाल राधा कृष्ण कॉलोनी निशातपुरा में पत्नी सुनीता बाई व बेटी पायल बेटा गुलशन और वीर के साथ रहे थे। उनकी बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। बलदेव शराब पीने के आदि थे। खुदकुशी के पहले शराब के नशे में घर में दाखिल हुए थे। नशे की हालत में उनका आए दिन परिजनों से विवाद होता था। नशे की हालत में ही उन्होंने फांसी लगा ली। पुलिस को घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले की सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। मृतक के भतीजे जितेंद्र ने बताया कि चाचा बलदेव तीन साल पहले काम के सिलसिले में भोपाल आए थे। तब से ही भोपाल में रहकर कभी चौकीदारी तो कभी माली का काम कर रहे थे। वह शराब पीने के आदि थे। उन्होंने सुसाइड क्यों किया इस बात की जानकारी नहीं है। मौत की सूचना के बाद हम भोपाल आए हैं।

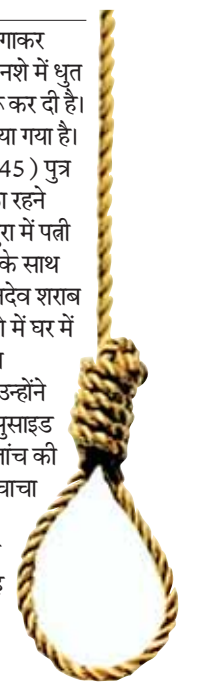

मेट्रो एंकर आरोपी भूरा ने भाई के साथ मिलकर दिया था वारदात को अंजाम

दोस्त की हत्या कर लाश जलाने वाले दोनों आरोपियों को पुलिस ने लिया रिमांड पर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार इलाके में बचपन के दोस्त की हत्या कर लाश जलाने और फिर उसे जमीन में दफनाने वाले मुख्य आरोपी भूरा और उसके छोटे भाई निखिल को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

टीआई आशुतोष उपाध्याय के मुताबिक संजू सिसोदिया (21) ग्राम महाबड़िया में रहता था और मजदूरी करता था। बीती 23 नवंबर को वह घर से बगैर बताए लापता हो गया था। एक दिन बाद परिनजों की शिकायत पर गुमशुदगी दर्ज की गई थी। पुलिस ने संदेह के आधार पर गांव में रहने वाले संजू के बचपन के दोस्त भूरा उर्फ लालसिंह धुर्वे को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

लाश ठिकाने लगाने में की छोटे भाई ने मदद: पहले तो उसने पुलिस को गुमराह किया, लेकिन बाद में संजू की गैंती मारकर हत्या करने और लाश को जलाने के बाद खेत में नाले के किनारे खेत में दफनाने की बात स्वीकार कर ली। शव को ठिकाने लगाने में उसके छोटे भाई निखिल धुर्वे ने मदद की थी, इसलिए पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

ऐसे की थी वारदात

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि घटना वाले दिन संजू उसके घर के आसपास घूम रहा था। वह उसे सिगरेट पिलाने के बहाने अपने साथ खेत पर ले गया। मौका पाकर गैंती मारकर हत्या कर दी और लाश को भाई के साथ मिलकर धान का प्लाव डालकर जला दिया। लाश पूरी नहीं जली तो दोनों ने नाले किनारे खेत पर गड्ढा खोदकर उसे गा? दिया और अपने घर लौट आए। भूरा का छोटा भाई निखिल जिसने लाश को ठिकाने लगाने में बड़े भाई की मदद की थी। भूरा का छोटा भाई निखिल जिसने लाश को ठिकाने लगाने में बड़े भाई की मदद की थी।

फेंक दिया था मृतक का फोन

घटना के दो दिन बाद संजू का मोबाइल फोन चालू करने के बाद उसे कजलीखेड़ा इलाके में सड़क किनारे फेंक दिया था। पुलिस को उस पर शंका नहीं हो, इसलिए जब भी पूछताछ के लिए बुलाया जाता तो वह परिवार के साथ थाने पहुंच जाता था। मृतक के मोबाइल की आखिरी लोकेशन महाबड़िया के आसपास मिलने पर पुलिस ने जब सख्ती से पूछताछ की तो भूरा ने अपने भाई के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार कर लिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022